राधा गोविंद विश्वविद्यालय, रामगढ़

रूचि केन्द्रित (CBCS)

सेमेस्टर पद्धति

स्नातक पाठ्यक्रम

(प्रतिष्ठा एवं पास)

क्षेत्रीय भाषा – खोरठा

पूरोवाक्

निज भाषा उन्नति है, सब उन्नति कै मूल ।
बिन निज भाषा उन्नति कै मिटै न हिय कै शूल ।।

– भारतेन्दु

यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने कहा है, मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसे थोड़ा और कहा जा सकता है कि मनुष्य एक भाषिक प्राणी भी है क्योंकि मनुष्य के पास ही भाषा (परिष्कृत) है, अन्य जीवों के पास नहीं है। समाज के विकास के साथ–साथ भाषा का भी विकास हुआ। भाषा का संबंध संस्कृति से है और संस्कृति का संबंध जीवन से। इस तरह जीवन को बचाना है तो संस्कृति को बचाना होगा और संस्कृति को बचाने का सवाल नितांत बुनियादी है।

झारखण्ड एक बहुजातीय, बहु सांस्कृतिक एवं बहुभाषिक राज्य है। यहां आर्य, द्रविड़ एवं आग्नेय तीन प्रजाति के लोग हजारों वर्षों से रहते आ रहे हैं। यहाँ तीन भाषा परिवार की भाषाएं बोली जाती हैं जो तीन प्रजाति समूह की संस्कृतियों का वहन करती है। आर्य प्रजाति के लोग सदान नाम से जाने जाते हैं और सदान झारखंड का ऐसा गैर जनजातीय समुदाय है जो झारखंड में जनजातीय सन्निवेश में हजारों वर्षों से रहने के कारण इस समुदाय में झारखंड में विभिन्न संस्कृति एवं पहचान बना ली है और जिसमें झारखंड की समन्वित संस्कृति का विकास किया है। यद्यपि सदान समुदाय आर्य प्रजाति में परिगणित है, बावजूद कि सदान समुदाय की भाषा को सदानी की संज्ञा प्राप्त है। विवेच्य खोरठा भाषा सदानी भाषा समूह की एक प्रमुख भाषा है जो झारखंड के 24 जिलों में से 16 जिलों की डेढ़ करोड़ जतना की लोकप्रिय जनभाषा है। यह भाषा जनजातीय भाषा समुदाय को अपने से इतर समुदाय के बीच बना संपर्क भाषा का भी काम करती है। वर्तमान में इस भाषा को झारखंड की द्वितीय राजभाषा की दर्जा प्राप्त है।

खोरठा राँची विश्वविद्यालय के स्नातक एवं स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल है इसके अतिरिक्त विभिन्न नियुक्ति परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में भी शामिल है। इस भाषा का लोक साहित्य स्पृहनीय रूप से समृद्ध है इसकी शिष्ट साहित्यिक परंपरा तीन सौ वर्षों की है। साहित्य के सभी विद्याओं में इसका साहित्य ग्रंथ उपलब्ध है। भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं शब्दकोश की पुस्तकें भी हैं। दर्जनों शोधग्रंथ प्रकाशित हैं और सैंकड़ों शोधार्थी शोधरत हैं।

प्रतिष्ठित राधा गोविंद विश्वविद्यालय खोरठा भाषा के केंद्रीय क्षेत्र में अवस्थित है। यह सुखद विषय है कि विलंब से ही सही, विश्वविद्यालय प्रशासन ने जनभावना का सम्मान करते हुए खोरठा भाषा साहित्य को स्नातक (पास एवं प्रतिष्ठा) के पाठ्यक्रम में शामिल कर विश्वविद्यालय को क्षेत्रीय पहचान देने का प्रयास किया है जो वंदनीय है, प्रशंसनीय है, प्रासंगिक है और सबसे ऊपर एक प्रगतिशील कदम है। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पूर्व की पहल पर स्नातक प्रतिष्ठा एवं पास का पाठ्यक्रम बनाया गया है, जिसका अनुशरण करते हुए कई महाविद्यालयों में इस भाषा की पढ़ाई हो रही है। वर्तमान में राधा गोविंद विश्वविद्यालय में मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार रूचि केन्द्रित (सी०बी०सी०एस०) सेमेस्टर पद्धति पर त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के लिए विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम बनाए जा रहे हैं। सम्प्रति उसी कड़ी में प्रस्तुत है खोरठा भाषा एवं साहित्य स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के सेमेस्टर पद्धति का पाठ्यक्रम ।

इति शुभ!

सावन पूर्णिमा

खोरठा भाषा पाठ्यक्रम निर्माण समिति।

पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्यों के नाम, पदनाम एवं पता

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा की रूपरेखा

प्रथम सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-101	लोकगीत	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-102	लोककथा	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-AECC-103		क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
KHO-H-GE-104	लोकगीत	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 20 क्रेडिट = 350
द्वितीय सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-201	खोरठा पद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-202	खोरठा गद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-AECC-203	पर्यावरण विज्ञान (विश्वविद्यालय प्रदत)	क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
KHO-H-GE-204	खोरठा पद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 20 क्रेडिट = 350
तृतीय सेमेस्टर पत्र कोड़		
KHO-H-C-301	हिन्दी साहित्य का इतिहास– (आदिकाल)	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-302	हिन्दी साहित्य का इतिहास– (भक्ति एवं रीतिकाल)	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-303	हिन्दी साहित्य का इतिहास– (आधुनिक काल)	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-GE-304	लोककथा	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-SEC-305	टाइपिंग अथवा पर्यावरण–संरक्षण	क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
		कुल 26 क्रेडिट = 450
चतुर्थ सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-401	खोरठा लोकगाथा एवं प्रकीर्ण साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-402	खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-403	खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-GE-404	खोरठा गद्य साहित्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-SEC-405	कला–संस्कृति (लोक गायन वादन एवं नृत्य)	क्रेडिट 2 (50 अंक)) = 2 क्रेडिट = 50
		कुल 26 क्रेडिट = 450
पंचम सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-501	सामान्य भाषा विज्ञान	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-502	साहित्य–सिद्धान्त	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-503	खण्ड 'अ' उपन्यास खण्ड 'ब' कहानी	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-504	खण्ड 'अ' नाटक खण्ड 'ब' एकांकी	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 24 क्रेडिट = 400
षष्ठ सेमेस्टर पत्र कोड		
KHO-H-C-601	खोरठा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-602	साहित्यिक निबन्ध	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-603	खण्ड 'अ' प्रबंध काव्य खण्ड 'ब' गीत काव्य	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
KHO-H-C-604	खण्ड 'अ' श्रीनिवास पानुरी खण्ड 'ब' डॉ. ए. के. झा	क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100
		कुल 24 क्रेडिट = 400

नोट – षष्ठ सेमेस्टर के पत्र KHO-H-DSE-603 या KHO-H-DSE-604 की जगह किसी एक में विद्यार्थी लघुशोध प्रबंध रख सकते है। लघु शोध प्रबध 100 अंकों का होगा, जिसमे 80 अंक (5 क्रेडिट) प्रबंध लेखन तथा 20 अंक (01 क्रेडिट) मौखिकी हेतु निर्धारित है। इसमें उत्तीर्णांक 50 प्रतिशत होगा।

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-H-C-101
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोकगीत

इकाई 1.	लोकगीत की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोकगीतों का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	पर्व त्योहार के लोकगीतों की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	संस्कार गीत एवं अन्य गीत की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :– 1. एक टोकी फूल, 2, खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोक साहित्य सार (डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-H-C-102
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोककथा

इकाई 1.	लोककथा की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोककथा का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	अपनी भाषा की प्रचलित लोककथाओं में अभिप्रायतत्व, संस्कृति व समाज	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	लोककथाओं से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :– 1. खोरठा लोककथा संपादक– ए.के. झा
2, खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोकसाहित्य सार– डॉ० गजाधर महतो प्रभाकर

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-AECC-103
क्रेडिट 2 (40 अंक) + (10 अंक) = 2 क्रेडिट = 50

इकाई 1.	रामकथा अमृत : श्रीनिवास पानुरी	–	½ क्रेडिट
इकाई 2.	निबंध	–	½ क्रेडिट
इकाई 3.	व्याकरण – संज्ञा (भेद, लिंग, वचन), सर्वनाम, क्रिया, कारक	–	½ क्रेडिट
इकाई 4.	विपरीतार्थक, पर्यायवाची, मुहावरा, लोकोक्ति	–	½ क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि डेढ़ घंटे की होगी।
2. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' निबंध एवं व्याकरण प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
3. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2 में से 1, खंड 'ख' निबंध 4 में से 1 एवं व्याकरण 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
4. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	1×10=10
निबंध		:	1×10=10
व्याकरण		:	2×5 = 10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×1=10
	कुल	:	40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	10 अंक
	कुल	:	50 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-H-GE-104
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोकगीत :–

इकाई 1.	लोकगीत की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोकगीतों का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	पर्व त्योहार के लोकगीतों की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	संस्कार गीत एवं अन्य गीत की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :–

1. एक टोकी फूल,
2, खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोक साहित्य सार (डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-201
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य

इकाई 1 .	रूसल पुटुस, संपादक – शिवनाथ प्रमाणिक	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	रूसल पुटुस के कवियों का परिचय	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	दामुदरेक कोराञ– शिवनाथ प्रमाणिक	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	सोहन लागे रे, संपादक – दिनेश दिनमणि	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-202
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य

इकाई 1 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (संयुक्त संपादन) 1 से 6	पाठ	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (संयुक्त संपादन) 7 से 12	पाठ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	खोरठा निबंध– डॉ. बी.एन. ओहदार– 1 से 6	पाठ	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	खोरठा निबंध– डॉ. बी.एन. ओहदार– 7 से 12	पाठ	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-H-GE-204
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठा पद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक दस कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक 11–20 कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	मइछ गंधा– शिवनाथ प्रमाणिक	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) डॉ बी.एन. ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-301
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)

इकाई 1 .	आदिकाल का नामकरण, सीमांकन, परिस्थितियाँ	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	आदिकाव्य की प्रवृतियाँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	विद्यापति एवं अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तके :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-302
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल एवं रीति काल)

इकाई 1 .	भक्तिकाल का नामकरण, सीमांकन, परिस्थितियाँ	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भक्तिकाव्य की प्रवृतियाँ (सगुण–निर्गुण)	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	रीतिकाल का नामकरण, सीमांकन, परिस्थतियाँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	प्रवृतियाँ (रीति सिद्ध, रीति बद्ध, रीति मुक्त)	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तके :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-C-303
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई 1 .	आधुनिकता की अवधारणा, प्रेरक परिस्थितियाँ	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	गद्य में– कहानी, नाटक का उद्‌भव विकास	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	उपन्यास, निबंध का उद्‌भव विकास	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ0 नगेन्द्र

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-GE-304
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोककथा

इकाई 1.	लोककथा की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोककथा का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	अपनी भाषा की प्रचलित लोककथाओं में अभिप्रायतत्व, संस्कृति व समाज	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	लोककथाओं से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :– 1. खोरठा लोककथा संपादक– ए.के. झा
2, खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)
4. खोरठा लोक साहित्य सार (डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-H-SEC-305
क्रेडिट 2 (50 अंक)

खंड ''अ''
टाइपिंग (अंग्रेजी एवं हिन्दी)

इकाई :	1.	कंप्यूटर की सामान्य जानकारी	–	01 क्रेडिट
	2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी टाइपिंग	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड ''ब''
पर्यावरण संरक्षण हेतु बागवानी

इकाई :	1.	मृदा की परिभाषा एवं प्रकार	–	01 क्रेडिट
	2.	पेड़–पौधों रोपण एवं संरक्षण	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. पूरे पाठ्यक्रम से कुल पाँच प्रश्न होंगे।
2. खंड 'क' में तीन प्रश्न में एक के, खंड 'ख' तीन प्रश्न में से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1X20 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	2X10 = 20
आंतरिक	–	10
कुल	–	50

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C-401
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा लोकगाथा एवं प्रकीर्ण साहित्य

इकाई 1 .	लोकगाथा– परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	महराय लोकगाथा का अध्ययन	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	प्रकीर्ण साहित्य – परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	लोकोक्ति, मुहाबरा, बुझौवल, मंत्र (परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता)	–	01 क्रेडिट

पाठ्य पुस्तक :
1. महराइ – चितरंजन महतो 'चित्रा'
2. खोरठा प्रकीर्ण साहित्य – प्रो0 बीरबल महतो
3.. खोरठा लोक साहित्य सार – डॉ० गजाधर महतो प्रभाकर

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 402
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास

इकाई 1 .	आदिकाल (सीमांकन प्रवृतियाँ, कवि)	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	मध्यकाल (सीमांकन प्रवृतियाँ, कवि)	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	आधुनिककाल (सीमांकन प्रवृतियाँ, कवि)	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	रचनाकार परिचय	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 403
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास

इकाई 1 .	गद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	कहानी, नाटक का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	उपन्यास, निबंध का उद्‌भव विकास	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	रचनाकार परिचय	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा (G.E.) द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-GE- 404
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठ गद्य–कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध उदभव विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ (एक से सात तक)	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (शेष कहानियाँ)	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	आपन मंगल (नाटक) मनपूरन गोस्वामी अथवा लोह–लोहान घाटी (नाटक)– डॉ. पारसनाथ महतो	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' पाठ्य पुस्तक से व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 405
क्रेडिट 2 (50 अंक)

कला संस्कृति का सामान्य परिचय
(लोकगायन, वादन एवं नृत्य)

इकाई 1 .	लोक गायन एवं वादन एवं नृत्य का परिचय	–	01 क्रेडिट
इकाई 2 .	प्रमुख झारखंडी कलाएँ	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि डेढ़ घंटे की होगी।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है।(10X3=30)
3. लघु उत्तरीय प्रश्न
4. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न		:	3×10=30
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×5=10
	कुल	:	40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	10 अंक
	कुल	:	50 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-C- 501
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

सामान्य भाषा विज्ञान

इकाई 1 .	भाषा विज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र विस्तार एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भाषा एवं बोली– परिभाषा, विशेषताएँ एवं अंतर	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	भाषा उत्पत्ति के सिद्धांत	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा परिवार, भारतीय आर्य भाषा का विकास, प्राकृत से आधुनिक भाषा तक	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :
1. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-C- 502
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

साहित्य सिद्धांत

इकाई 1 .	साहित्य की परिभाषा, काव्य के तत्व– काव्यगुण, काव्यदोष, काव्य रीति, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	शब्द–शक्ति एवं रस	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	छंद परिभाषा एवं लक्षण पाठ्य छंद– दोहा, चौपाई, सोरठा, रोला, कुंडलियां, सवैया, कवित	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	अलंकार (परिभाषा एवं लक्षण) पाठ्य अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, विभावना	–	01 क्रेडिट

सहायक ग्रंथ :–

1. साहित्य के तत्व एवं आयोम – डॉ0 विसेश्वर प्रसाद केशरी
2. काव्य के तत्व – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. साहित्य सिद्धांत सार – डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 503
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड ''अ''
खोरठा उपन्यास

इकाई :	1.	उपन्यास की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा उपन्यास का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ– डॉ०ए०के झा	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ– डॉ०ए०के झा	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड ''ब''
खोरठा कहानी

इकाई :	1.	कहानी की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा कहानी का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा के प्रमुख कहानीकार	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– खटरस, जनार्दन गोस्वामी 'व्यथित	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 504
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड ''अ''
खोरठा नाटक

इकाई :	1.	नाटक की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा नाटक का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, उदबासल कर्ण (श्रीनिवास पानुरी)	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, एक काठ धान, (महेन्द्र प्रबुद्ध)	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड ''ब''

इकाई :	1.	एकांकी की परिभाषा, तत्त्व, प्रकार एवं नाटक से अंतर	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा एकांकी का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 601
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

इकाई 1 .	अपनी भाषा का परिचय एवं क्षेत्र विस्तार	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भाषा परिवार, क्षेत्रीय रूप एवं मानकीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	अपनी भाषा का व्याकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	अपनी भाषा का अन्य झारखंडी भाषाओं से तुलनात्मक अध्ययन	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :
1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार
2. खोरठा व्याकरण – डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर
3. भाषा गर्हन – कृष्णचंद्र दास आला
4. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन – डॉ0 ए0के0 झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-C- 602
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

साहित्यिक निबंध (अपनी भाषा में)

इकाई 1 .	भाषा संबंधी निबंध	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	साहित्य संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	संस्कृति संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	साहित्यकारों पर निबंध	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर आवश्यक हैं।
3. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।
4. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	4×20=80
आंतरिक मूल्यांकन	:	20
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 603
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड ''अ''
खोरठा प्रबंध काव्य

इकाई :	1.	काव्य की परिभाषा, प्रबंधकाव्य की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा के प्रमुख प्रबंधकाव्य का परिचय, कथावस्तु सहित –	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक– मुक्तिक डहर– श्याम सुंदर महतो –	01 क्रेडिट
	4.	ओंगठा– महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर' –	01 क्रेडिट

अथवा

खंड ''ब''
गीत काव्य

इकाई :	1.	गीति काव्य की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार –	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा गीत काव्य –	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा के गीतकार –	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक (क) पइनसोखा– संपादक – सुकुमार (ख) बेलन्दरी– संपादक – शान्ति भारत –	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 604
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड ''अ''
श्रीनिवास पानुरी

इकाई :	1.	श्रीनिवास पानुरी का जीवन परिचय एवं दर्शन	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा साहित्य में योगदान स्वरूप गद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा साहित्य में योगदान स्वरूप पद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक – सबले बीस	–	01 क्रेडिट

अथवा
खंड ''ब''
डॉ० ए० के० झा

इकाई :	1.	डॉ० ए० के० झा का जीवन परिचय एवं दर्शन	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा साहित्य में योगदान– गद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा साहित्य में योगदान– पद्य रचना	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– खोरठा काठे पइदेक खंडी	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-H-DSE- 604
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

नोट : षष्ठ सेमेस्टर के पत्र KHO-H-DSE-603 या KHO-H-DSE-604 की जगह किसी एक में विद्यार्थी लघुशोध प्रबंध रख सकते हैं। लघुशोध प्रबंध 100 अंकों का होगा, जिसमें 80 अंक (5 क्रेडिट) प्रबंधन लेखन, तथा 20 अंक (1 क्रेडिट) मौखिकी हेतु निर्धारित है इसमें उतीर्णांक 50 प्रतिशत होगा।

लघु शोध हिन्दी में

विषय :– साहित्य–संस्कृति, समाज, ऐतिहासिक स्थल, व्यक्तित्व आदि पर लघु शोधग्रंथ लिखना है। लघुशोध ग्रंथ लगभग 100 पृष्ठों का होगा। जिसे तीन प्रतियों में महाविद्यालय में जमा करना है। शोध के SYNOPSIS में समाविष्ट होनी चाहिए।

प्रारूप
प्रस्तावना
शोध लेखन की प्रसांगिकता
शोध के सिद्धांत
शोध विधि

स्नातक खोरठा जेनरल (पास कोर्स) की रूपरेखा

प्रथम सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-C-101	लोकगीत (प्रश्नोतर खोरठा में)
KHO-G-AECC-103	
द्वितीय सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-C-201	खोरठा पद्य साहित्य
KHO-G-AECC-203	पर्यावरण विज्ञान (विश्व वि. प्रदत)
तृतीय सेमेस्टर पत्र कोड़	
KHO-G-C-301	लोककथा
KHO (MIL)-G- C-302	गद्य–पद्य संग्रह + निबंध एवं पत्र + व्याकरण
KHO-G-SEC-304	टाइपिंग अथवा पर्यावरण–संरक्षण हेतु बागवानी
चतुर्थ सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-C-401	खोरठा गद्य साहित्य
KHO MIL -G-C-403	गद्य–पद्य संग्रह + निबंध + संक्षेपन + व्याकरण
KHO-G-SEC-404	कला–संस्कृति (लोक गायन वादन एवं नृत्य)
पंचम सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-GE-501	साहित्यिक निबंध
KHO-G-SEC-502	अनुवाद विज्ञान
KHO-G-DSE-503	खण्ड 'अ' उपन्यास
	खण्ड 'ब' कहानी
षष्ठ सेमेस्टर पत्र कोड	
KHO-G-GE-601	खोरठा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
KHO-G-SEC-602	अपनी रचना
KHO-G-DSE-603	खण्ड 'अ' नाटक
	खण्ड 'ब' एकांकी

स्नातक खोरठा जेनरल प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

KHO-G-C-101
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोकगीत :–

इकाई 1.	लोकगीत की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	–	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोकगीतों का वर्गीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3.	पर्व त्योहार के लोकगीतों की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट
इकाई 4.	संस्कार गीत एवं अन्य गीत की विशेषताएँ एवं महत्ता	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :–

1. एक टोकी फूल,
2, खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

KHO-G-C-201
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा पद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठा पद्य साहित्य का उद्‌भव और विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक दस कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	बोनेक बोल की प्रारंभिक 11–20 कविताएँ	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	मइछ गंधा– शिवनाथ प्रमाणिक	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) डॉ बी.एन. ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-G-C-301
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

लोककथा

इकाई 1.	लोककथा की परिभाषा, विशेषता एवं महत्ता	—	02 क्रेडिट
इकाई 2.	लोककथा का वर्गीकरण	—	01 क्रेडिट
इकाई 3.	अपनी भाषा की प्रचलित लोककथाओं में अभिप्रायतत्व, संस्कृति व समाज	—	01 क्रेडिट
इकाई 4.	लोककथाओं से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली	—	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :— 1. खोरठा लोककथा संपादक— ए.के. झा
2, खोरठा लोक साहित्य (शिवनाथ प्रमाणिक)
3. खोरठा लोक साहित्य (झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान)

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक — एक लिखित परीक्षा — 15 अंक, उपस्थिति — 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO(MIL)-G-C- 302
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

पाठ्य पुस्तक– खोरठा गद्य–पद्य संग्रह :

1.	गद्य भाग	–	02 क्रेडिट
2.	पद्य भाग	–	01 क्रेडिट
3.	निबन्ध एवं पत्र लेखन	–	01 क्रेडिट
4.	व्याकरण– (उपसर्ग, प्रत्यय, मुहाबरा, लोकोक्ति, पहेली)	–	01 क्रेडिट

अक विभाजन–

गद्य भाग एवं पद्य भाग	–	20 + 20	=	40
निबन्ध एवं पत्र लेखन	–	12 + 8	=	20
व्याकरण (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)	–			20

पाठ्य पुस्तक –

1. खोरठा गद्य–पद्य संग्रह – सम्पादक मंडल
2. खोरठा व्याकरण– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा सहित सदानिक वेयाकरन– डॉ. ए० के० झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

KHO-G-SEC-304
क्रेडिट 2 (50 अंक)

खंड ''अ''
टाइपिंग (अंग्रेजी एवं हिन्दी)

इकाई :	1.	कंप्यूटर की सामान्य जानकारी	–	01 क्रेडिट
	2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी टाइपिंग	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड ''ब''
पर्यावरण संरक्षण हेतु बागवानी

इकाई :	1.	मृदा की परिभाषा एवं प्रकार	–	01 क्रेडिट
	2.	पेड़–पौधों रोपण एवं संरक्षण	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. पूरे पाठ्यक्रम से कुल पाँच प्रश्न होंगे।
2. खंड 'क' में तीन प्रश्न में एक के, खंड 'ख' तीन प्रश्न में से दो के उत्तर अपेक्षित हैं।
3. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	1X20 = 20
लघु उत्तरीय प्रश्न	–	2X10 = 20
आंतरिक	–	10
कुल	–	50

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-G-C- 401
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा गद्य साहित्य

इकाई 1 .	खोरठ गद्य–कहानी, नाटक, उपन्यास, निबंध उदभव विकास	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	खोरठा की प्रतिनिधि कहानियाँ (एक से सात तक)	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	प्रतिनिधि कहानियाँ (शेष कहानियाँ)	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	आपन मंगल (नाटक) मनपूरन गोस्वामी अथवा लोह–लोहान घाटी (नाटक)– डॉ. पारसनाथ महतो	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तक : खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO(MIL)-G-C- 403
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

पाठ्य पुस्तक– खोरठा गद्य–पद्य संग्रह :

1.	गद्य भाग	–	02 क्रेडिट
2.	पद्य भाग	–	01 क्रेडिट
3.	पल्लवन एवं संक्षेपण	–	01 क्रेडिट
4.	व्याकरण– (वर्ण एवं शब्द विचार)	–	01 क्रेडिट

अक विभाजन –

गद्य एवं पद्य भाग से दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	–	2X20 = 40
पल्लवन एवं संक्षेपण	–	2X10= 20
व्याकरण (वर्ण एवं शब्द विचार) वस्तुनिष्ठ	–	10X2= 20

पाठ्य पुस्तक –

1. खोरठा गद्य–पद्य संग्रह
2. खोरठा व्याकरण– डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर
3. खोरठा सहित सदानिक वेयाकरन– डॉ. ए० के० झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

KHO-G-SEC- 404
क्रेडिट 2 (50 अंक)

कला संस्कृति का सामान्य परिचय
(लोकगायन, वादन एवं नृत्य)

इकाई 1 .	लोक गायन एवं वादन एवं नृत्य का परिचय	–	01 क्रेडिट
इकाई 2 .	प्रमुख झारखंडी कलाएँ	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि डेढ़ घंटे की होगी।
2. कुल पाँच प्रश्न होंगे जिनमें तीन प्रश्नों के उत्तर आवश्यक है।(10X3=30)
3. लघु उत्तरीय प्रश्न
4. प्रश्नोत्तर की भाषा हिन्दी होगी।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न		:	3×10=30
लघु उत्तरीय प्रश्न		:	2×5=10
	कुल	:	40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	10 अंक
	कुल	:	50 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 07 अंक, उपस्थिति – 03 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-G-GE- 501
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

साहित्यिक निबंध (अपनी भाषा में)

इकाई 1 .	भाषा संबंधी निबंध	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	साहित्य संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	संस्कृति संबंधी निबंध	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	साहित्यकारों पर निबंध	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे जिनमें चार प्रश्नों के उत्तर आवश्यक हैं।
3. प्रत्येक इकाई से प्रश्न अनिवार्य है।
4. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	4×20=80
आंतरिक मूल्यांकन	:	20
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-G-SEC- 502
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

अनुवाद विज्ञान

इकाई :

1. अनुवाद विज्ञान की परिभाषा, अनुवाद के सि(ांत एवं कोटियां — 01 क्रेडिट
2. (क) हिन्दी या अंग्रेजी से खोरठा में अनुवाद —
   (ख) खोरठा से हिन्दी या अंग्रेजी में अनुवाद — 01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें

1. अनुवाद विज्ञान (भोलानाथ तिवारी)
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी (अनुवाद खंड) माधव सोनटक्के

निर्देश :

1. **पूरे पाठ्यक्रम से कुल पाँच प्रश्न होंगे।**
2. **दीर्घ उत्तरीय के तीन प्रश्न में से एक तथा अनुवाद के दो प्रश्न होंगे।**
3. **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न की भाषा हिन्दी होगी।**

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	—	**1X20 = 20**
लघु उत्तरीय प्रश्न	—	**2X10 = 20**
आंतरिक	—	**10**
कुल	—	**50**

वर्ग परीक्षा– 7 अंक, उपस्थिति 3 अंक = 10 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

KHO-G-DSE- 503
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड ''अ''
खोरठा उपन्यास

इकाई :	1.	उपन्यास की परिभाषा, तत्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा उपन्यास का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ (डॉ०ए०के झा)	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– सइर सगरठ (डॉ०ए०के झा)	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड ''ब''
खोरठा कहानी

इकाई :	1.	कहानी की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा कहानी का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	खोरठा के प्रमुख कहानीकार	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक– खटरस (जनार्दन गोस्वामी 'व्यथित')		–01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-G-GE- 601
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खोरठा भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन

इकाई 1 .	अपनी भाषा का परिचय एवं क्षेत्र विस्तार	–	02 क्रेडिट
इकाई 2 .	भाषा परिवार, क्षेत्रीय रूप एवं मानकीकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 3 .	अपनी भाषा का व्याकरण	–	01 क्रेडिट
इकाई 4 .	अपनी भाषा का अन्य झारखंडी भाषाओं से तुलनात्मक अध्ययन	–	01 क्रेडिट

सहायक पुस्तकें :
1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास), डॉ0 बी0एन0 ओहदार
2. खोरठा व्याकरण – डॉ0 गजाधर महतो प्रभाकर
3. भाषा गर्हन – कृष्णचंद्र दास आला
4. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन – डॉ0 ए0के0 झा

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	:	2×20=40
लघु उत्तरीय प्रश्न	:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न		10×2=20
कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन	:	20 अंक
कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-G-SEC- 602
क्रेडिट 2 (50 अंक)

विद्यार्थियों को अपनी भाषा खोरठा में गद्य–पद्य की अपनी रचना करनी है। यह रचना कम से कम 50 पृष्ठ की होनी चाहिए, जिसकी तीन प्रतियाँ महाविद्यालय में जमा करनी है। लेखन में 40 अंक तथा मौखिकी 10 अंक की होगी। उतीर्णांक 50 प्रतिशत होगी।

स्नातक खोरठा जेनरल तृतीय वर्ष (षष्ठ सेमेस्टर)

KHO-G-DSE- 603
क्रेडिट 5 (80 अंक) + क्रेडिट 1 (20 अंक) = 6 क्रेडिट = 100

खंड ''अ''
खोरठा नाटक

इकाई :	1.	नाटक की परिभाषा, तत्त्व एवं प्रकार	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा नाटक का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, उदबासल कर्ण (श्रीनिवास पानुरी)	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, एक काठ धान, (महेन्द्र प्रबुद्ध)	–	01 क्रेडिट

अथवा

खंड ''ब''

इकाई :	1.	एकांकी की परिभाषा, तत्त्व, प्रकार एवं नाटक से अंतर	–	02 क्रेडिट
	2.	खोरठा एकांकी का उद्‌भव और विकास	–	01 क्रेडिट
	3.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट
	4.	पाठ्य पुस्तक, जोंक (डॉ. महेन्द्रनाथ गोस्वामी 'सुधाकर')	–	01 क्रेडिट

निर्देश :

1. प्रश्नपत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. पूरे पाठ्यक्रम से कुल आठ प्रश्न होंगे।
3. प्रश्न के तीन खंड होंगे जो क्रमशः खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
4. खंड 'क' दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 4 में से 2, खंड 'ख' लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक 3 में से 2 के उत्तर अपेक्षित है।
5. खंड 'ग' वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. प्रश्नोत्तर की भाषा खोरठा होगी।

अंक विभाजन :

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न		:	2×20=40
लघु उत्तरीय या व्याख्यात्मक प्रश्न		:	2×10=20
वस्तुनिष्ठ प्रश्न			10×2=20
	कुल	:	80 अंक
आंतरिक मूल्यांकन		:	20 अंक
	कुल	:	100 अंक

आन्तरिक – एक लिखित परीक्षा – 15 अंक, उपस्थिति – 05 अंक = 20 अंक

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़

रूचि केन्द्रित (CBCS)

सेमेस्टर पद्धति

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

खोरठा

पूरोवाक्

निज भाषा उन्नति है, सब उन्नति कै मूल ।
बिन निज भाषा उन्नति कै मिटै न हिय कै शूल ।।

– भारतेन्दु

यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने कहा है, मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इसे थोड़ा और कहा जा सकता है कि मनुष्य एक भाषिक प्राणी भी है क्योंकि मनुष्य के पास ही भाषा (परिष्कृत) है, अन्य जीवों के पास नहीं है। समाज के विकास के साथ–साथ भाषा का भी विकास हुआ। भाषा का संबंध संस्कृति से है और संस्कृति का संबंध जीवन से। इस तरह जीवन को बचाना है तो संस्कृति को बचाना होगा और संस्कृति को बचाने का सवाल नितांत बुनियादी है।

झारखण्ड एक बहुजातीय, बहु सांस्कृतिक एवं बहुभाषिक राज्य है। यहां आर्य, द्रविड़ एवं आग्नेय तीन प्रजाति के लोग हजारों वर्षों से रहते आ रहे हैं। यहाँ तीन भाषा परिवार की भाषाएं बोली जाती हैं जो तीन प्रजाति समूह की संस्कृतियों का वहन करती है। आर्य प्रजाति के लोग सदान नाम से जाने जाते हैं और सदान झारखंड का ऐसा गैर जनजातीय समुदाय है जो झारखंड में जनजातीय सन्निवेश में हजारों वर्षों से रहने के कारण इस समुदाय में झारखंड में विभिन्न संस्कृति एवं पहचान बना ली है और जिसमें झारखंड की समन्वित संस्कृति का विकास किया है। यद्यपि सदान समुदाय आर्य प्रजाति में परिगणित है, बावजूद कि सदान समुदाय की भाषा को सदानी की संज्ञा प्राप्त है। विवेच्य खोरठा भाषा सदानी भाषा समूह की एक प्रमुख भाषा है जो झारखंड के 24 जिलों में से 16 जिलों की डेढ़ करोड़ जतना की लोकप्रिय जनभाषा है। यह भाषा जनजातीय भाषा समुदाय को अपने से इतर समुदाय के बीच बना संपर्क भाषा का भी काम करती है। वर्तमान में इस भाषा को झारखंड की द्वितीय राजभाषा की दर्जा प्राप्त है।

खोरठा राँची विश्वविद्यालय, राँची, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, राँची के स्नातक एवं स्नाकोत्तर पाठ्यक्रम में शामिल है एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग में स्नातक पाठ्क्रम में है। इसके अतिरिक्त झारखंड के विभिन्न नियुक्ति परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में भी शामिल है। इस भाषा का लोक साहित्य स्पृहनीय रूप से समृद्ध है इसकी शिष्ट साहित्यिक परंपरा तीन सौ वर्षों की है। साहित्य के सभी विद्याओं में इसका साहित्य ग्रंथ उपलब्ध है। भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं शब्दकोश की पुस्तकें भी हैं। दर्जनों शोधग्रंथ प्रकाशित हैं और सैंकड़ों शोधार्थी शोधरत हैं।

प्रतिष्ठित राधा गोविन्द विश्वविद्यालय खोरठा भाषा के केंद्रीय क्षेत्र में अवस्थित है। यह सुखद विषय है कि विलंब से ही सही, विश्वविद्यालय प्रशासन ने जनभावना का सम्मान करते हुए खोरठा भाषा साहित्य को स्नातक (पास एवं प्रतिष्ठा) के पाठ्यक्रम में शामिल कर विश्वविद्यालय को क्षेत्रीय पहचान देने का प्रयास किया है जो वंदनीय है, प्रशंसनीय है, प्रासंगिक है और सबसे ऊपर एक प्रगतिशील कदम है। उल्लेखनीय है कि चार वर्ष पूर्व की पहल पर स्नातक प्रतिष्ठा एवं पास का पाठ्यक्रम बनाया गया है, जिसका अनुशरण करते हुए कई महाविद्यालयों में इस भाषा की पढ़ाई हो रही है। वर्तमान में राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार रूचि केन्द्रित (सी०बी०सी०एस०) सेमेस्टर पद्धति पर त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के लिए विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम बनाए जा रहे हैं। सम्प्रति उसी कड़ी में प्रस्तुत है खोरठा भाषा एवं साहित्य स्नातक (प्रतिष्ठा एवं पास) के सेमेस्टर पद्धति का पाठ्यक्रम ।

इति शुभ!

खोरठा भाषा पाठ्यक्रम निर्माण समिति।

पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्यों के नाम, पदनाम एवं पता

Semester - 1

सामान्य जाति विज्ञान

(Gen FC-1) 101	**Credits – 04**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	जाति विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता और वैशिष्ट्य, अन्य विषयों संबंध, संस्कृति की अवधारणा और परिवर्तन, समाज व्यवस्था, अर्थ व्यवस्था, धार्मिक व्यवस्था, जनजाति एवं उनका विकास, औद्योगिकरण नगरीकरण प्रभाव।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. झारखंड की जनजातियाँ – डॉ. बिमला चरण शर्मा, कीर्ति विक्रम
2. झारखंड की रुपरेखा – डॉ. राम कुमार तिवारी
3. झारखंड की जनजातियाँ – डॉ. चतुर्भुज साहु

Semester - 1

खोरठा भाषा का लोक साहित्य

(KhoCC-1) 102	**Credits -04**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	खोरठा भाषा का लोकगीत की परिभाषा, वर्गीकरण, महत्व, विशेषता, उपादेयता।
Unit - II	लोककथा, लोकगाथा, लोकनाट्य, मिथक, लीजेन्ड, मुहावरा, कहावतें एवं पहेलियों का वर्गीकरण, महत्व, विशेषताएँ, लोक साहित्य और संस्कृति।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40 अंक

लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक

बहुविकल्पीय प्रश्न – 10 X 1 = 10 अंक

कुल = 70

दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक

उपस्थिति = 10 अंक

पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. खोरठा लोक साहित्य – शिवनाथ प्रमाणिक

2. खोरठा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. विनोद कुमार

4. खोरठा लोक साहित्य – प्रकाशक (जनजातीय भाषा अकादमी), जनजातीय कल्याण शोध संस्थान

Semester - 1

साहित्य सिद्धांत

(GenCC-2) 103	**Credits -04**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	काव्य की परिभाषा, हेतु, प्रयोजन, तत्व, रूप का अध्ययन (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण)
Unit - II	**साहित्य की विविध विधाएँ** – काव्य, प्रबंधकाव्य, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी, डायरी, रिपोर्ताज, समीक्षा, आलोचना, समालोचना के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।
Unit – III	शब्द शक्ति रस निरूपण, गुण, दोष, छंद – अलंकार **छंद** – दोहा, चौपाई, सवैया, मालिनी, मंदाक्रांता **अलंकार –** अनुप्रास, यमक, उपमा, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, रूपक, भ्रांतिमान, संदेह, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, विभावना।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश –
1. इस अंक के उत्तर हिन्दी भाषा में अपेक्षित होंगे।
2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।
3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. साहित्य के तत्व और आयाम – बी.पी. केशरी
2. काव्य के रुप – गुलाब राय
3. अलंकार मुक्तावली – देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. काव्य शास्त्र – भागीरथ मिश्र
5. काव्य के तत्व – देवेन्द्रनाथ शर्मा

Semester - 1

खोरठा कविता

(KhoCC-3) 104	**Credits -05**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा कविता	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. सोंध माटी (कविता भाग) डॉ. विनोद कुमार
2. तातल आर हेमाल – शिवनाथ प्रमाणिक
3. जुरगुड़ा – सं. – संदीप कुमार महतो, ओहदार अनाम

Semester - 2

सामान्य लोक साहित्य

(Gen EC-1) 201	Credits - 04
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**

Unit - I लोक साहित्य की अवधारणा, परिभाषा, अध्ययन परम्परा, वर्गीकरण, महत्व विशेषताएँ, लोक साहित्य की विधाएँ –लोकगीत, लोककथा, लोकगाथा, लोकना, लोक नृत्य, लोकोक्तियाँ मुहावरे, पहेलियाँ एवं मंत्री विशेषताएँ, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य में अन्तर लोक साहित्य एवं संस्कृति का महत्व।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – 4 X 10 = 40 अंक

लघु उत्तरीय प्रश्न – 4 X 5 = 20 अंक

बहुविकल्पीय प्रश्न – 10 X 1 = 10 अंक

कुल = 70

दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक

उपस्थिति = 10 अंक

पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. झारखंड की जनजातियाँ – डॉ. बिमला चरण शर्मा, कीर्ति विक्रम
2. झारखंड की रुपरेखा – डॉ. राम कुमार तिवारी
3. झारखंड की जनजातियाँ – डॉ. चतुर्भुज साहु

Semester - 2

खोरठा कहानी

(Kho CC-4) 202	Credits - 05
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा कहानी	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. सोंध माटी (कहानी भाग) डॉ. विनोद कुमार
2. खटरस – जनार्दन गोस्वामी 'व्यथित'
3. छांहइर – चितरंजन महतो चित्रा

Semester - 2

खोरठा उपन्यास

(Kho CC-5) 203	Credits - 05
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा उपन्यास	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ – 1. जिनगीक टोह – चितरंजन महतो (चित्रा)

2. लाल कोठी – महेनद्र नाथ गोस्वामी सुधाकर

Semester - 2

खोरठा नाटक

(Kho CC-6) 204	Credits - 05
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I खोरठा नाटक	

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा भाषा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. उदभासल कर्ण – श्रीनिवास पानुरी
2. मेकामेकी ना मेटमाट – डॉ. ए.के झा
3. डाह – संकुमार

Semester - 3

झारखंड की कलाएँ एवं संस्कृति

(Gen EC-2) 301	**Credits - 05**
Time – 3 hourse	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	झारखण्ड को चित्र कला (भित्ति चित्र, कोहबर चित्र, सोहराय पेंटिग्स), मिट्टी कला, बाँस कला, काष्ठ कला, गृह निर्माण कला एवं पाक कला।
Unit - II	झारखण्ड पारम्परिक संगीत की राग–रागिनियाँ, नृत्य शैलियाँ, वाद्य और प्रदर्शन कला, नाटक, फिल्म, आकाशवाणी, दूरदर्शन।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. झारखंड की पारंपरिक कलाएँ– डॉ. गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज', शकुन्तला मिश्रा
2. थाति – कला संस्कृति विभाग झारखंड साकार

Semester - 3

सामान्य भाषा विज्ञान

(Gen EC-7) 302	**Credits - 05**
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**

Unit - I भाषा विज्ञान की परिभाषा तथा इसके प्रकार, भाषा की उत्पति सिद्धांत, भाषा की उपयोगिता, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विभिन्न रूप, भाषाओं का वर्गीकरण, पारिवारिक एवं आकृतिमूलक वर्गीकरण, ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, लिपि विज्ञान, कोश विज्ञान।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. सामान्य भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Semester - 3

खोरठा भाषा का भाषा विज्ञान

(Kho CC-8) 303	Credits - 05
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**

Unit - I खोरठा भाषा का सामान्य परिचय, खोरठा भाषा की परिभाषा, खोरठा भाषा का उद्‌भव और विकास, खोरठा भाषा का स्वरूप, खोरठा भाषा का क्षेत्र विस्तार, खोरठा भाषा का परिवारिक वर्गीकरण, खोरठा भाषा की विशेषताएँ खोरठा भाषा की परिवर्तन के कारण, ध्वनि विज्ञान एवं ध्वनि परिवर्तन के कारक तत्व, पद विज्ञान एवं पद परिवर्तन के कारक तत्व, वाक्य विज्ञान एवं वाक्य परिवर्तन के कारक तत्व, अर्थ विज्ञान एवं अर्थ परिवर्तन के कारक तत्व, लिपि एवं लिपि की समस्या ।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. खोरठा भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन – डॉ. ए.के. झा
2. खोरठा भाषा विज्ञान – डॉ. ए.के. झा

Semester - 3

खोरठा भाषा का व्याकरण

(Kho CC-9) 304	Credits - 05
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	वर्ण विचार, शब्द विचार, वाक्य विचार, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन, कारक, काल, उपसर्ग, प्रत्यय, पदबंध, पर्यायवाची, समानार्थक शब्द, अनेक शब्दों का एक शब्द, मुहावरा।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. खोरठा सहित सदानिक व्याकरण – डॉ. ए.के. झा
2. खोरठा व्याकरण – डॉ. गजाधर महतो
3. खोरठा व्याकरण – ओहदार अनाम

Semester - 4
भारतीय साहित्य

(Gen EC-3) 401	**Credits - 05**
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	**प्राचीन भारतीय साहित्य –** वेद, पुराण, उपनिषद्।
Unit - II	**आदिकालीन एवं मध्यकालीन. भारतीय साहित्य** – सिद्ध एवं नाथ साहित्य, भक्ति आंदोलन, सगुण भक्ति, निगुर्ण भक्ति, राममागी, कृष्णमार्गी, सूफी संत से संबंधित प्रमुख साहित्य का परिचय।
Unit - III	**आधुनिक भारतीय साहित्य –** प्रयोगवाद का परिचय। रहस्यवाद, छायावाद, प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद का परिचय।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर खोरठा में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल

2.निर्गुण काव्य दर्शन – सिद्धनाथ तिवारी

3.हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे वाजपेयी

4.हिन्दी साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेन्द्र

5.भारती साहित्य की रूपरेखा – भोला शंकर व्यास

Semester - 4

झारखंड़ के महापुरुष

(Gen CC-10) 402	Credits - 05
Time – 3 hours	**Marks - 100 (70+30)**
Unit - I	विरसा मुण्डा, वीर बुधु भगत, तिलका मांझी, सिद्धो–कान्हू, शेख भिखारी, नीलाम्बर– पितांबर, तेलंगा खड़िया, एन. ई. होरो, पोटो सरदार, विनोद बिहारी महतो, लाड़ो जोंको, शकुंतला टुडू, नंदी कुई, कार्तिक उराँव, जयपाल सिंह मुण्डा ।

अंक विभाजन –

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –	4 X 10 = 40 अंक
लघु उत्तरीय प्रश्न –	4 X 5 = 20 अंक
बहुविकल्पीय प्रश्न –	10 X 1 = 10 अंक
	कुल = 70
	दो आंतरिक मूल्यांकन = 20 अंक
	उपस्थिति = 10 अंक
	पूर्णांक = 100 अंक

नोट :– 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा 10 अंक उपस्थिति पर जुड़ेगें।

निर्देश – 1. इस अंक के उत्तर हिन्दी में अपेक्षित होंगे।

2. परीक्षा की अवधि 3 घंटे की होगी।

3. प्रश्न पत्र कुल 70 अंकों का होगा।

सहायक ग्रंथ –

1. झारखण्ड के शहीद – डॉ. भुवनेश्वर अनुज
2. झारखण्ड आंदोलन का दस्तावेज, शोषण, संघर्ष और शहादत – अनुज कुमार सिन्हा

Semester - 4

रचनात्मक लेखन

(Kho CC-11) 403	**Credits - 05**
	Marks - 100 (70+30)
Unit - I खोरठा भाषा में रचनात्मक लेखन	

निर्देश :–

1. यह रचनात्मक लेखन खोरठा भाषा में अपेक्षित होगा।
2. खोरठा भाषा में कविता, कहानी, नाटक, निबंध, एकांकी आदि किसी एक विधा पर स्वरचित रचनाएँ अपेक्षित होंगी।
3. यह लेखन लगभग सौ पृष्ठों का होगा।

Semester - 4

लघु शोध प्रबंध/कार्य योजना

(Kho CC-12) 404	**Credits - 05**
	Marks - 100 (70+30)
Unit - I लघु शोध प्रबंध रचना अथवा कार्य योजना	

निर्देश :–

1. लघु शोध प्रबंध लगभग सौ पृष्ठों का हिन्दी व अंग्रेजी भाषा में अनिवार्य रूप से अपेक्षित होंगें।
2. इसमें 30 पृष्ठों का फील्ड रिपोर्ट भी शामिल होगा।

RADHA GOVIND UNIVERSITY, RAMGARH

NEW EDUCATION POLICY (NEP) 2020

UNIVERSITY DEPARTMENT OF KHORTHA

HONOURS PROGRAMME

SUBJECT CODE = 037

FOR UNDER GRADUATE COURSES UNDER
RADHA GOVIND UNIVERSITY,RAMGARH

Implemented from

Academic Session 2023-2027

Table of Content

HIGHLIGHTS OF REGULATIONS OF FYUGP 1

PROGRAMME DURATION 1
ELIGIBILITY 1
ADMISSION PROCEDURE 1
VALIDITY OF REGISTRATION 1
ACADEMIC CALENDAR 1
PROGRAMME OVERVIEW/ SCHEME OF THE PROGRAMME 2
CREDIT OF COURSES 2
CALCULATION OF MARKS FOR THE PURPOSE OF RESULT 2
PROMOTION CRITERIA 3
PUBLICATION OF RESULT 3

COURSE STUCTURE FOR FYUGP 'HONOURS/ RESEARCH' 4

Table 1: Credit Framework for Four Year Undergraduate Programme (FYUGP) under State Universities of Jharkhand [Total Credits = 160] 4
COURSES OF STUDY FOR FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME 5
Table 2: Semester wise Course Code and Credit Points for Single Major: 5
NUMBER OF CREDITS BY TYPE OF COURSE 7
Table 3: Overall Course Credit Points for Single Major 7
Table 4: Overall Course Code and Additional Credit Points for Double Major 7
Table 5: Semester wise Course Code and Additional Credit Points for Double Major: 7
SEMESTER WISE COURSES IN KHORTHA MAJOR-1 FOR FYUGP 11
Table 7: Semester wise Examination Structure in Discipline Courses: 11
Table 8: Semester wise Course Code and Credit Points for Skill Enhancement Courses: 12
Table 9: Semester wise Course Code and Credit Points for Minor Courses: 12
Table 10: Semester wise Course Code and Credit Points for Elective Courses: 12

INSTRUCTION TO QUESTION SETTER 13

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR SEMESTER INTERNAL EXAMINATION 14

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR END SEMESTER UNIVERSITY EXAMINATION 15

SEMESTER I 17

I. MAJOR COURSE –MJ 1: खोरठा भाषा एवं साहित्य का इतिहास 17
II. SKILL ENHANCEMENT COURSE- SEC 1: झारखण्ड के प्राचीन स्मारक एवं पर्यटन स्थल 18
---------- 18

MINOR COURSE-1A (SEM-I) 19

I. MINOR COURSE- MN 1A: झारखण्ड के कृषि उत्पाद एवं सम्बन्धित साहित्य 19

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-AEC KHORTHA ELECTIVE (SEM-III) 20

I. KHORTHA ELECTIVE - 1: लेखन एवं प्रारूपण 20

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-AEC KHORTHA ELECTIVE (SEM-IV) 21

II. KHORTHA ELECTIVE - 2: खोरठा वाक् कला एवं सम्प्रेषण 21

HIGHLIGHTS OF REGULATIONS OF FYUGP

PROGRAMME DURATION

- The Full-time, Regular UG programme for a regular student shall be for a period of four years with multiple entry and multiple exit options.
- The session shall commence from **1st of July**.

ELIGIBILITY

- The selection for admission will be primarily based on availability of seats in the Major subject and marks imposed by the institution. Merit point for selection will be based on marks obtained in Major subject at Class 12 (or equivalent level) or the aggregate marks of Class 12 (or equivalent level) if Marks of the Major subject is not available. Reservation norms of The Government of Jharkhand must be followed as amended in times.
- UG Degree Programmes with Double Major shall be provided only to those students who secure a minimum of overall 75% marks (7.5 CGPA) or higher.
- Other eligibility criteria including those for multiple entry will be in light of the UGC Guidelines for Multiple Entry and Exit in Academic Programmes offered in Higher Education Institutions.

ADMISSION PROCEDURE

- The reservation policy of the Government of Jharkhand shall apply in admission and the benefit of the same shall be given to the candidates belonging to the State of Jharkhand only. The candidates of other states in the reserved category shall be treated as General category candidates. Other relaxations or reservations shall be applicable as per the prevailing guidelines of the University for FYUGP.

VALIDITY OF REGISTRATION

- Validity of a registration for FYUGP will be for maximum for Seven years from the date of registration.

ACADEMIC CALENDAR

- An Academic Calendar will be prepared by the university to maintain uniformity in the CBCS of the UG Honours Programmes, UG Programmes, semesters and courses in the college run under the university (Constituent/Affiliated).
- **Academic Year:** Two consecutive (one odd + one even) semesters constitute one academic year.
- **Semester:** The Odd Semester is scheduled from **July to December** and the Even Semester is from **January to June**. Each week has a minimum of 40 working hours spread over 6 days.
- Each semester will include – Admission, course work, conduct of examination and declaration of results including semester break.
- In order to undergo 8 weeks' summer internship/ apprenticeship during the summer camp, the Academic Calendar may be scheduled for academic activities as below:
  a) Odd Semester: **From first Monday of August to third Saturday of December**
  b) Even Semester: **From first Monday of January to third Saturday of May**
- An academic year comprising 180 working days in the least is divided into two semesters, each semester having at least 90 working days. With six working days in a week, this would mean that each semester will have 90/ 6 = 15 teaching/ working weeks. Each working week will have 40 hours of instructional time.
- Each year the University shall draw out a calendar of academic and associated activities, which shall be

strictly adhered to. The same is non-negotiable. Further, the Department will make all reasonable endeavors to deliver the programmes of study and other educational services as mentioned in its Information Brochure and website. However, circumstances may change prompting the Department to reserve the right to change the content and delivery of courses, discontinue or combine courses and introduce or withdraw areas of specialization.

PROGRAMME OVERVIEW/ SCHEME OF THE PROGRAMME

- Undergraduate degree programmes of either 3 or 4-year duration, with multiple entries and exit points and re-entry options within this period, with appropriate certifications such as:
  - UG Certificate after completing 1 year (2 semesters) of study in the chosen fields of study provided they complete one vocational course of 4 credits during the summer vacation of the first year or internship/ Apprenticeship in addition to 6 credits from skill-based courses earned during first and second semester.,
  - UG Diploma after 2 years (4 semesters) of study diploma provided they complete one vocational course of 4 credits or internship/ Apprenticeship/ skill based vocational courses offered during first year or second year summer term in addition to 9 credits from skill-based courses earned during first, second, and third semester,
  - Bachelor's Degree after a 3-year (6 semesters) programme of study,
  - Bachelor's Degree (Honours) after a 4-year (8 semesters) programme of study.
  - Bachelor Degree (Honours with Research) after a 4-year (8 semesters) programme of study to the students undertaking 12 credit Research component in fourth year of FYUGP.

CREDIT OF COURSES

The term 'credit' refers to the weightage given to a course, usually in terms of the number of instructional hours per week assigned to it. The workload relating to a course is measured in terms of credit hours. It determines the number of hours of instruction required per week over the duration of a semester (minimum 15 weeks).

a) One hour of teaching/ lecture or two hours of laboratory /practical work will be assigned per class/interaction.
   One credit for Theory = 15 Hours of Teaching i.e., 15 Credit Hours
   One credit for Practicum = 30 Hours of Practical work i.e., 30 Credit Hours

b) For credit determination, instruction is divided into three major components:
   Hours (L) – Classroom Hours of one-hour duration.
   Tutorials (T) – Special, elaborate instructions on specific topics of one-hour duration
   Practical (P) – Laboratory or field exercises in which the student has to do experiments or other practical work of two-hour duration.

CALCULATION OF MARKS FOR THE PURPOSE OF RESULT

- Student's final marks and the result will be based on the marks obtained in Semester Internal Examination and End Semester Examination organized taken together.
- Passing in a subject will depend on the collective marks obtained in Semester internal and End Semester University Examination both. However, students must pass in Theory and Practical Examinations separately.

PROMOTION CRITERIA

First degree programme with single major:

i. The Requisite Marks obtained by a student in a particular subject will be the criteria for promotion to the next Semester.

ii. No student will be detained in odd Semesters (I, III, V & VII).

iii. To get promotion from Semester-II to Semester-III a student will be required to pass in at least 75% of Courses in an academic year, a student has to pass in minimum 9 papers out of the total 12 papers.

iv. To get promotion from Semester-IV to Semester-V (taken together of Semester I, II, III & IV) a student has to pass in minimum 18 papers out of the total 24 papers.

v. To get promotion from Semester-VI to Semester-VII (taken all together of Semester I, II, III, IV, V & VI) a student has to pass in minimum 26 papers out of the total 34 papers.

vi. However, it will be necessary to procure pass marks in each of the paper before completion of the course.

First degree programme with dual major:

vii. Above criterions are applicable as well on the students pursuing dual degree programmes however first degree programme will remain independent of the performance of the student in dual major courses.

viii. To get eligible for taking ESE, a student will be required to pass in at least 75% of Courses in an academic year.

ix. A student has to pass in minimum 3 papers out of the total 4 papers.

x. It will be a necessity to clear all papers of second major programme in second attempt in succeeding session, failing which the provision of dual major will be withdrawn and the student will be entitled for single first degree programme.

PUBLICATION OF RESULT

- The result of the examination shall be notified by the Controller of Examinations of the University in different newspapers and also on University website.
- If a student is found indulged in any kind of malpractice/ unfair means during examination, the examination taken by the student for the semester will be cancelled. The candidate has to reappear in all the papers of the session with the students of next coming session and his one year will be detained. However, marks secured by the candidate in all previous semesters will remain unaffected.
- There shall be no Supplementary or Re-examination for any subject. Students who have failed in any subject in an even semester may appear in the subsequent even semester examination for clearing the backlog. Similarly, the students who have failed in any subject in an odd semester may appear in the subsequent odd semester examination for clearing the backlog.

Regulation related with any concern not mentioned above shall be guided by the Regulations of the University for FYUGP.

---*---

COURSE STUCTURE FOR FYUGP **'HONOURS/ RESEARCH'**

Table 1: Credit Framework for Four Year Undergraduate Programme (FYUGP) under State Universities of Jharkhan

Level of Courses	**Semester**	**MJ**; Discipline Specific Courses – Core or Major (80)	**MN**; Minor from discipline (16)	**MN**; Minor from vocational (16)	**MDC**; Multidisciplinary Courses [Life sciences, Physical Sciences, Mathematical and Computer Sciences, Data Analysis, Social Sciences, Humanities, etc.] (9)	**AEC**; Ability Enhancement Courses (Modern Indian Language and English) (8)	**SEC**; Skill Enhancement Courses (9)	**VAC**; Value Added Courses (6)	**IAP**; Internship/ Dissertation (4)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
100-199: Foundation or Introductory courses	**I**	4	4		3	2	3	4	
	II	4+4		4	3	2	3		
	Exit Point: Undergraduate Certificate provided with Summer Internship/ Project (4 credits)								
200-299: Intermediate-level courses	**III**	4+4	4		3	2	3		
	IV	4+4+4		4		2		2	
	Exit Point: Undergraduate Diploma provided with Summer Internship in 1st or 2nd year/ Project (4 cr								
300-399: Higher-level courses	**V**	4+4+4	4						4
	VI	4+4+4+4		4					
	Exit Point: Bachelor's Degree								
400-499: Advanced courses	**VII**	4+4+4+4	4						
	VIII	4		4					
	Exit Point: Bachelor's Degree with Hons. /Hons. with Research								

Note: Honours students not undertaking research will do 3 courses for 12 credits in lieu of a Research project / Disse

Upgraded & Implemented from 3rd Sem. of Session 2022-26 & 1st Sem. of Session 2023-27 Onwards

COURSES OF STUDY FOR FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME **2022 onwards**

Table 2: Semester wise Course Code and Credit Points for Single Major:

Semester	Common, Introductory, Major, Minor, Vocational & Internship Courses		
	Code	**Papers**	**Credits**
I	AEC-1	Language and Communication Skills (MIL 1 - Hindi/ English)	2
	VAC-1	Value Added Course-1	4
	SEC-1	Skill Enhancement Course-1	3
	MDC-1	Multi-disciplinary Course-1	3
	MN-1A	Minor from Discipline-1	4
	MJ-1	Major paper 1 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
II	AEC-2	Language and Communication Skills (MIL 2 - English/ Hindi)	2
	SEC-2	Skill Enhancement Course-2	3
	MDC-2	Multi-disciplinary Course-2	3
	MN-2A	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4
	MJ-2	Major paper 2 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-3	Major paper 3 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
III	AEC-3	Language and Communication Skills (Language Elective 1 - Modern Indian language including TRL)	2
	SEC-3	Skill Enhancement Course-3	3
	MDC-3	Multi-disciplinary Course-3	3
	MN-1B	Minor from Discipline-1	4
	MJ-4	Major paper 4 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-5	Major paper 5 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
IV	AEC-3	Language and Communication Skills (Language Elective - Modern Indian language including TRL)	2
	VAC-2	Value Added Course-2	2

	MN-2B	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4
	MJ-6	Major paper 6 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-7	Major paper 7 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-8	Major paper 8 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
V	MN-1C	Minor from Discipline-1	4
	MJ-9	Major paper 9 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-10	Major paper 10 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-11	Major paper 11 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	IAP	Internship/Apprenticeship/Field Work/Dissertation/Project	4
VI	MN-2C	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4
	MJ-12	Major paper 12 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-13	Major paper 13 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-14	Major paper 14 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-15	Major paper 15 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
VII	MN-1D	Minor from Discipline-1	4
	MJ-16	Major paper 16 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-17	Major paper 17 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-18	Major paper 18 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	MJ-19	Major paper 19 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
VIII	MN-2D	Minor from Vocational Studies/Discipline-2	4
	MJ-20	Major paper 20 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	RC/ AMJ-1 AMJ-2 AMJ-3	Research Internship/Field Work/Dissertation OR Advanced Major paper-1 (Disciplinary/Interdisciplinary Major) Advanced Major paper-2 (Disciplinary/Interdisciplinary Major) Advanced Major paper-3 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	12/ 4 4 4
		Total Credit	**160**

NUMBER OF CREDITS BY TYPE OF COURSE

The hallmark of the new curriculum framework is the flexibility for the students to learn courses of their choice across various branches of undergraduate programmes. This requires that all departments prescribe a certain specified number of credits for each course and common instruction hours (slot time).

Table 3: Overall Course Credit Points for Single Major

Courses	Nature of Courses	3 yr UG Credits	4 yr UG Credits
Major	Core courses	60	80
Minor	i. Discipline/ Interdisciplinary courses and ii. Vocational Courses	24	32
Multidisciplinary	3 Courses	9	9
AEC	Language courses	8	8
SEC	**Courses to be developed by the University**	9	9
Value Added Courses	Understanding India, Environmental Studies, Digital Education, Health & wellness, Summer Internship/ Apprenticeship/ Community outreach activities, etc.	6	6
Internship (In any summer vacation for Exit points or in Semester-V)		4	4
Research/ Dissertation/ Advanced Major Courses	Research Institutions/ 3 Courses		12
	Total Credits =	**120**	**160**

Table 4: Overall Course Code and Additional Credit Points for Double Major

Courses	Nature of Courses	3 yr UG Credits	4 yr UG Credits
Major 1	Core courses	60	80
Major 2	Core courses	48	64
Minor	i. Discipline/ Interdisciplinary courses and ii. Vocational Courses	24	32
Multidisciplinary	3 Courses	9	9
AEC	Language courses	8	8
SEC	**Courses to be developed by the University**	9	9
Value Added Courses	Understanding India, Environmental Studies, Digital Education, Health & wellness, Summer Internship/ Apprenticeship/ Community outreach activities, etc.	6	6
Internship (In any summer vacation for Exit points or in Semester-V)		4	4
Research/ Dissertation/ Advanced Major Courses	Research Institutions/ 3 Courses		12
	Total Credits =	**168**	**224**

Table 5: Semester wise Course Code and Additional Credit Points for Double Major:

Semester	Double Major Courses		
	Code	Papers	Credits
I	DMJ-1	Double Major paper-1 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-2	Double Major paper-2 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
II	DMJ-3	Double Major paper-3 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-4	Double Major paper-4 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
III	DMJ-5	Double Major paper-5 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-6	Double Major paper-6 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
IV	DMJ-7	Double Major paper-7 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-8	Double Major paper-8 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
V	DMJ-9	Double Major paper-9 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-10	Double Major paper-10 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
VI	DMJ-11	Double Major paper-11 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-12	Double Major paper-12 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
VII	DMJ-13	Double Major paper-13 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-14	Double Major paper-14 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
VIII	DMJ-15	Double Major paper-15 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
	DMJ-16	Double Major paper-16 (Disciplinary/Interdisciplinary Major)	4
		Total Credit	**64**

Abbreviations:

AEC	Ability Enhancement Courses
SEC	Skill Enhancement Courses
IAP	Internship/Apprenticeship/ Project
MDC	Multidisciplinary Courses
MJ	Major Disciplinary/Interdisciplinary Courses
DMJ	Double Major Disciplinary/Interdisciplinary Courses
MN	Minor Disciplinary/Interdisciplinary Courses
AMJ	Advanced Major Disciplinary/Interdisciplinary Courses
RC	Research Courses

खोरठा स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य

खोरठा स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नांकित लक्ष्यों को प्राप्त करना है ।

1. खोरठा साहित्य का अध्ययन प्रस्तुत करना।
2. खोरठा भाषा, साहित्य और समाज को समझने में लोगों को मदद करना।
3. नई पीढ़ी को खोरठा साहित्य की ओर प्रेरित करना।
4. खोरठा साहित्य के रचनाकारों को समाज में प्रतिष्ठित करना और उनके कृतियों को प्रकाश में लाना।
5. खोरठा साहित्य के महत्व और प्रतिष्ठा में वृद्धि करना।
6. खोरठा साहित्य का संकलन, संचयन, प्रकाशन और मूल्यांकन को दिशा देना।
7. विद्यार्थियों को कुशल, संवेदनशील और जिम्मेवार नागरिक बनाना।
8. भाषा संबंधी कौशल का विकास करना।
9. उच्चारण, वर्तनी और लिपि का सही ज्ञान कराना।
10. मूलभूत कौशल यथा लेखन, श्रवण और अभिव्यक्ति कला को विकसित करना।
11. एक कुशल वक्ता का निर्माण करना।
12. विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।
13. स्थानीय से लेकर वैश्विक स्तर तक के विभिन्न विशिष्ट साहित्यों से परिचित कराना।
14. समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।
15. समाज के विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णुता एवं मैत्रीपूर्ण भावना का विकास करना।
16. मानवीय मूल्यों के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना।
17. साहित्य में राष्ट्र और राष्ट्रवाद के सही अर्थों को बताना।
18. राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।
19. भाषिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक विरासतों को राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में स्थापित करते हुए समानता का अवसर प्राप्त करना ।

खोरठा स्नातक पाठ्यक्रम का अधिगम परिणाम

स्नातक खोरठा (प्रतिष्ठा) कार्यक्रम से संबद्ध अधिगम परिणाम इस प्रकार है :-

1. साहित्य संप्रेषण के आधार बिंदुओं की जानकारी देना ताकि साहित्य के सम्बन्ध में स्पष्ट समझ विकसित हो सके।
2. खोरठा साहित्य और भाषा का व्यवस्थित और तर्कसंगत ज्ञान कराना ताकि उसके सैद्धांतिक पक्ष और साहित्यिक विकास के सम्बन्ध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
3. साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास करना ।
4. साहित्य लेखन की विविध शैली और समीक्षात्मक दृष्टि का विकास करना
5. स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक सांस्कृतिकता के वृहद संजाल के बारे में जानकारी देना ताकि विद्यार्थी में साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित हो सके।
6. समीच्य दृष्टि और व्यवस्थित वैचारिकी का प्रर्दशन करना जिससे खोरठा साहित्य के अध्ययन के प्रति जिज्ञासा और प्रश्न उत्पन्न हो सके।
7. आधुनिक संदर्भ में तकनीकी संसाधनों को इस्तेमाल करते हुए खोरठा साहित्य की जानकारी देना।
8. प्रत्येक स्तर पर जीवन के मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास करना ।
9. विद्यार्थी में श्रवण, लेखन और वचन के साथ-साथ कल्पनाशक्ति का विकास करना जिससे कि उसके समग्र व्यक्तित्व में निखार आ सके।
10. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग को तलाशना।
11. वर्तमान युग सूचना क्रांति का युग है जिसमें अभिव्यक्ति की प्रधानता है ऐसे में तकनीकी के विकास ने साहित्य संचरण को अत्यंत सुगम बना दिया है इसी के परिपेक्ष्य में खोरठा साहित्य लेखन और अनुवाद का मंच प्रदान करना जिसका उपयोग कर जनसंचार सं लेकर व्यक्तित्व विकास तक में विद्यार्थी निष्णात हो सके। विद्यार्थी की रूचियों को एक व्यवस्थित रूप देना और उन्हें विभिन्न विधाओं में से चयन की स्वतंत्रता प्रदान करना ताकि वे स्नातक पाठ्यक्रम के पूर्ण होने के बाद खुद ही साहित्य के विभिन्न क्षेत्रों में से अपनी रूचि के अनुसार चयन कर सकें।
12. भारत के साहित्यिक, सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को जानने के प्रति जागरूकता पैदा करना।
13. भारतीय साहित्य के वाङमय में खोरठा भाषा को स्थापित करना ।
14. मातृभाषा, मातृभूमि की सेवा प्रेम को अटूट बनाना ।
15. ग्रामीण एवं शहर के विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं साहित्यिक दृष्टिकोण से मजबुत बनाते हुए राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ना ।

SEMESTER WISE COURSES IN KHORTHA MAJOR-1 FOR FYUGP **2022 onwards**

Table 7: Semester wise Examination Structure in Discipline Courses:

Semester	Courses		Examination Structure			
	Code	Papers	Credits	Mid Semester Theory (F.M.)	End Semester Theory (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
I	MJ-1	खोरठा भाषा एवं साहित्य का इतिहास	4	25	75	---
II	MJ-2		4	25	75	---
	MJ-3		4	25	75	---
III	MJ-4		4	25	75	---
	MJ-5		4	25	75	---
IV	MJ-6		4	25	75	---
	MJ-7		4	25	75	---
	MJ-8		4	25	75	---
V	MJ-9		4	25	75	---
	MJ-10		4	25	75	---
	MJ-11		4	25	75	---
VI	MJ-12		4	25	75	---
	MJ-13		4	25	75	---
	MJ-14		4	25	75	---
	MJ-15		4	25	75	---
VII	MJ-16		4	25	75	---
	MJ-17		4	25	75	---
	MJ-18		4	25	75	---
	MJ-19		4	25	75	---
VIII	MJ-20		4	25	75	---
	AMJ-1		4	25	75	---
	AMJ-2		4	25	75	---
	AMJ-3		4	25	75	---
	or RC-1	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	4	25	75	---
	RC-2	लघुशोध प्रबंध/इन्टर्नशिप/फील्ड वर्क	8	---	---	200
		Total Credit	**92**			

Table 8: Semester wise Course Code and Credit Points for Skill Enhancement Courses:

Semester	Skill Enhancement Courses		Examination Structure			
	Code	Papers	Credits	Mid Semester Theory (F.M.)	End Semester Theory (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
I	SEC-1	झारखण्ड के प्राचीन स्मारक एवं पर्यटन स्थल	3	---	75	---
II	SEC-2	रचनात्मक लेखन	3	---	75	---
III	SEC-3	Elementary Computer Application Softwares	3	---	75	---
		Total Credit	**9**			

Table 9: Semester wise Course Code and Credit Points for Minor Courses:

Semester	Minor Courses		Examination Structure			
	Code	Papers	Credits	Mid Semester Theory (F.M.)	End Semester Theory (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
I	MN-1A	झारखण्ड के कृषि उत्पाद एवं सम्बन्धित साहित्य	4	25	75	---
III	MN-1B		4	25	75	---
V	MN-1C		4	25	75	---
VII	MN-1D		4	25	75	---
		Total Credit	**16**			

Table 10: Semester wise Course Code and Credit Points for Elective Courses:

Semester	Elective Courses		Examination Structure			
	Code	Papers	Credits	Mid Semester Theory (F.M.)	End Semester Theory (F.M.)	End Semester Practical/ Viva (F.M.)
III	AEC-3	लेखन एवं प्रारूपण	2	---	50	---
IV	AEC-4	खोरठा वाक् कला एवं सम्प्रेषण	2	---	50	---
		Total Credit	**4**			

INSTRUCTION TO QUESTION SETTER

SEMESTER INTERNAL EXAMINATION (SIE):

There will be Only One Semester Internal Examination in Major, Minor and Research Courses, which will be organized at college/institution level. However, Only One End semester evaluation in other courses will be done either at College/ Institution or University level depending upon the nature of course in the curriculum.

A. (SIE 10+5=15 marks):

There will be two group of questions. **Question No.1 will be very short answer type in Group A** consisting of five questions of 1 mark each. **Group B will contain descriptive type** two questions of five marks each, out of which any one to answer.

The Semester Internal Examination shall have two components. (a) One Semester Internal Assessment Test (SIA) of 10 Marks, (b) Class Attendance Score (CAS) of 5 marks.

B. (SIE 20+5=25 marks):

There will be two group of questions. **Group A is compulsory** which will contain two questions. **Question No.1 will be very short answer type** consisting of five questions of 1 mark each. **Question No.2 will be short answer type** of 5 marks. **Group B will contain descriptive type** two questions of ten marks each, out of which any one to answer.

The Semester Internal Examination shall have two components. (a) One Semester Internal Assessment Test (SIA) of 20 Marks, (b) Class Attendance Score (CAS) of 5 marks.

Conversion of Attendance into score may be as follows:

Attendance Upto 45%, 1mark; 45<Attd.<55, 2 marks; 55<Attd.<65, 3 marks; 65<Attd.<75, 4 marks; 75<Attd, 5 marks.

END SEMESTER UNIVERSITY EXAMINATION (ESE):

A. (ESE 60 marks):

There will be two group of questions. **Group A is compulsory** which will contain three questions. **Question No.1 will be very short answer type** consisting of five questions of 1 mark each. **Question No.2 & 3 will be short answer type** of 5 marks. Group B will contain descriptive type five questions of fifteen marks each, out of which any three are to answer.

B. (ESE 75 marks):

There will be two group of questions. **Group A is compulsory** which will contain three questions. **Question No.1 will be very short answer type** consisting of five questions of 1 mark each. **Question No. 2 & 3 will be short answer type** of 5 marks. Group B will contain descriptive type six questions of fifteen marks each, out of which any four are to answer.

C. (ESE 100 marks):

There will be two group of questions. **Group A is compulsory** which will contain three questions. **Question No.1 will be very short answer type** consisting of ten questions of 1 mark each. **Question No. 2 & 3 will be short answer type** of 5 marks. Group B will contain descriptive type six questions of twenty marks each, out of which any four are to answer.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR SEMESTER INTERNAL EXAMINATION

Question format for **10 Marks**:

Subject/ Code

F.M. =10 **Time**=1Hr. Exam Year

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type compulsory questions.
ii. **Answer 1 out of 2** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
iii. Answer in your own words as far as practicable.
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
v. Numbers in right indicate full marks of the question.

Group A

1. [5x1=5]
   i. .....
   ii. .....
   iii. .....
   iv. .....
   v. .....

Group B

2. ..... [5]
3. ..... [5]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

Question format for **20 Marks**:

Subject/ Code

F.M. =20 **Time**=1Hr. Exam Year

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type compulsory questions.
ii. **Answer 1 out of 2** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
iii. Answer in your own words as far as practicable.
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
v. Numbers in right indicate full marks of the question.

Group A

1. [5x1=5]
   i. .....
   ii. .....
   iii. .....
   iv. .....
   v. .....
2. ..... [5]

Group B

3. ..... [10]
4. ..... [10]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

FORMAT OF QUESTION PAPER FOR END SEMESTER UNIVERSITY EXAMINATION

Question format for **50 Marks**:

Subject/ Code

F.M. =50 **Time**=3Hrs. Exam Year

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 3 out of 5** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
iii. Answer in your own words as far as practicable.
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
v. Numbers in right indicate full marks of the question.

Group A

1. [5x1=5]
   i. .....
   ii. .....
   iii. .....
   iv. .....
   v. .....

Group B

2. ..... [15]
3. ..... [15]
4. ..... [15]
5. ..... [15]
6. ..... [15]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

Question format for **60 Marks**:

Subject/ Code

F.M. =60 **Time**=3Hrs. Exam Year

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 3 out of 5** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
iii. Answer in your own words as far as practicable.
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
v. Numbers in right indicate full marks of the question.

Group A

1. [5x1=5]
   i. .....
   ii. .....
   iii. .....
   iv. .....
   v. .....
2. ..... [5]
3. ..... [5]

Group B

4. ..... [15]
5. ..... [15]
6. ..... [15]
7. ..... [15]
8. ..... [15]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

Question format for **75 Marks**:

Subject/ Code

F.M. = 75 **Time**=3Hrs. Exam Year

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 4 out of 6** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
iii. Answer in your own words as far as practicable.
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
v. Numbers in right indicate full marks of the question.

Group A

1. [5x1=5]
   i. .....
   ii. .....
   iii. .....
   iv. .....
   v. .....
2. ..... [5]
3. ..... [5]

Group B

4. ..... [15]
5. ..... [15]
6. ..... [15]
7. ..... [15]
8. ..... [15]
9. ..... [15]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

Question format for **100 Marks**:

Subject/ Code

F.M. = 100 **Time**=3Hrs. Exam Year

General Instructions:

i. **Group A** carries very short answer type **compulsory** questions.
ii. **Answer 4 out of 6** subjective/ descriptive questions given in **Group B**.
iii. Answer in your own words as far as practicable.
iv. Answer all sub parts of a question at one place.
v. Numbers in right indicate full marks of the question.

Group A

1. [10x1=10]
   i. ..... vi. .....
   ii. ..... vii. .....
   iii. ..... viii. .....
   iv. ..... ix. .....
   v. ..... x .....
2. ..... [5]
3. ..... [5]

Group B

4. ..... [20]
5. ..... [20]
6. ..... [20]
7. ..... [20]
8. ..... [20]
9. ..... [20]

Note: There may be subdivisions in each question asked in Theory Examination.

SEMESTER I

I. MAJOR COURSE –MJ 1:
खोरठा भाषा एवं साहित्य का इतिहास

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100	Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40

(Credits: Theory-04) Theory: 60 Lectures

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा का ऐतिहासिक पृष्टभूमि, उद्‌भव, विकास आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठाभाषा साहित्य के प्रारम्भिक व विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. खोरठा भाषा के भावगत, भाषागत, शैलीगत आदि विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :- खोरठा भाषा एवं साहित्य का इतिहास

इकाई 1. खोरठा भाषा का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव, विकास, लेखन परम्परा, नामकरण, क्षेत्र-विस्तार, खोरठा भाषा-भाषी समुदाय एवं जनसंख्या, खोरठा भाषा के विविध रूप, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

इकाई 2. खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास-सामान्य परिचय

(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

इकाई 3. खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास - सामान्य परिचय

(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार
2. खोरठा लोक साहित्य - डॉ. भोलानाथ महतो
3. खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. ए. के. झा
4. खोरठा एवं नागपुरी का तुलनात्मक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. अरविन्द कुमार

II. SKILL ENHANCEMENT COURSE- SEC 1:
झारखण्ड के प्राचीन स्मारक एवं पर्यटन स्थल

Marks: 50 (ESE: 3Hrs) = 50	Pass Marks: Th (SIE) = 20

(Credits: Theory-02) **30 Hours**

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इससे विद्यार्थी झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक को जान सकेंगे।
2. किसी भी भूभाग को जानने से पहले उसके प्राचीन इतिहास के बारे में जानना जरूरी है,इससे विद्यार्थी झारखण्ड के प्रायः सभी पर्यटक स्थल व प्राचीन स्मारकों के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :- झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक का सामान्य परिचय

इकाई 1. बैद्यनाथ धाम, छिन्नमस्तिका मंदिर, महामया मंदिर, झारखंडी धाम, कल्हुआ महाड़, पद्मा का राजगढ़, चेचगाँव गढ़, बरकट्टा का गर्म जलकुंड, इस्को गुफा, पकरी बरवाडीह (मेगालिथ)।

इकाई 2. झारखण्ड के प्रमुख पर्यटन स्थल - हुंडरू जलप्रपात, जोन्हा जलप्रपात, दशम जलप्रपात, डोम्बारी पहाड़, मरांग बुरू पहाड़, लुगुबुरू घंटाबाड़ी, नेतरहाट, पारसनाथ, सिरा-सिता, चुल्हा पानी, बुढ़ा घाघ, परेंवा घाघ, पंचघाघ, केलाघाघ, बाघमुण्डा, पतरातु डैम, रूका डैम, गेतलसुद डैम, धुर्वा डैम, चाण्डील डैम, रॉक गार्डेन, टैगोर हिल आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड के प्राचीन स्मारक - डॉ. भुवनेश्वर अनुज
2. राँची जिला के प्रमुख धार्मिक स्थलों का ऐतिहासिक अध्ययन - डॉ. मनोज कुमार साव
3. झारखंड : साहित्य संस्कृति एवं पुरातत्व - डॉ. बिनोद कुमार राज 'विद्रोही'

COURSES OF STUDY FOR FYUGP IN **"KHORTHA" MINOR**

MINOR COURSE-1A **(SEM-I)**

I. MINOR COURSE- MN 1A:

झारखण्ड के कृषि उत्पाद एवं सम्बन्धित साहित्य

Marks: 25 (5 Attd. + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) = 100	**Pass Marks: Th (SIE + ESE) = 40**

(Credits: Theory-04) **Theory: 60 Lectures**

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. कृषि उत्पाद में झारखण्ड के योगदान को बताना।
2. कृषि आधारित व्यवसायों को प्रोत्साहन देना।
3. रोजगार के अवसर प्रदान करना।
4. नयी कृषि तकनीक व उपकरणों के बारे में जानकारी देना।

प्रस्तावित संरचना :- झारखण्ड के कृषि उत्पाद एवं सम्बन्धित साहित्य

इकाई 1. पारम्परिक कृषि - धान, गोड़ा, मडुवा, गोंदली, उरिद, कुरथी, अरहर, सुरगुजा, तिल, तीसी, सनई, कांदा, लाह आदि।

इकाई 2. आधुनिक कृषि - सब्जियों का उत्पादन - मशरूम, चना, मटर, गोभी, बीन, बैगन, मूली, टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, अदरक, हल्दी आदि।

इकाई 3. नवीन कृषि प्रणालियाँ- मुर्गीपालन की कृषि, मश्रूम की कृषि, मधुमक्खी पालन, मछली पालन और जलीय कृषि आदि।

इकाई 4. झारखण्डी कृषि एवं उससे सम्बन्धित लोकगीत।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. बागवानी कला - पुस्तक महल
2. कृषि एवं प्रौद्योगिकी - एक्सपर्ट ऑफ पैनल

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-AEC KHORTHA ELECTIVE (SEM-III)

I. KHORTHA ELECTIVE - 1:

लेखन एवं प्रारूपण

Marks: 50 (ESE: 3Hrs) = 50	**Pass Marks: Th (SIE) = 20**

(Credits: Theory-02) **30 Hours**

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में लेखन के प्रति रूचि जगेगी। उनमें लेखन कौशल का विकास होगा।
2. इसके साथ ही अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने में भी मदद मिलेगी। भाषा में रूचि एवं मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करने में मदद मिलेगी।
3. कार्यालय से संबंधित विभिन्न प्रकार के पत्र व्यवहार किस प्रकार किये जाते हैं? संपादकीय लेखन कैसे लिखा जाना है? विद्यार्थियों के अंदर इसको विकसित मूल उद्देश्य है।
4. इसके साथ ही प्रारूपण क्या है? प्रारूप लिखने के लिए किन-किन नियमों का पालन किया जाता है? सैद्धांतिक पक्षों की जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्य संरचना :-लेखन एवं प्रारूपण

इकाई 1. लेखन का परिचय, लेखन कौशल का विकास एवं महत्व, पत्र लेखन, कार्यालयी पत्र-व्यवहार, संपादकीय पत्र लेखन, आवेदन लेखन।

इकाई 2. प्रारूपण का अर्थ, प्रारूप लेखन की अवधारणा, प्रारूप लिखने के नियम, प्रारूपण की विशेषताएं, प्रारूप लेखन के प्रकार।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. रचनात्मक लेखन : रमेश गौतम (संपादक)
2. साहित्य चिंतनः रचनात्मक आयाम : रघुवंश
3. पत्रकारी लेखन के आयाम : मनोहर प्रभाकर
4. सरकारी पत्र एवं दस्तावेज लेखन विधि : आविद रिजवी

ABILITY ENHANCEMENT COURSE-AEC KHORTHA ELECTIVE (SEM-IV)

II. KHORTHA ELECTIVE - 2:
खोरठा वाक् कला एवं सम्प्रेषण

Marks: 50 (ESE: 3Hrs) = 50	Pass Marks: Th (SIE) = 20

(Credits: Theory-02) **30 Hours**

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. छात्रों को भाषा का ज्ञान कराना।
2. इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थियों में भाषा संप्रेषण कौशल विकास होगा।
3. उन्हें भाषा संप्रेषण के विभिन्न माध्यमों से परिचय प्राप्त होगा।

पाठ्य संरचना :-

इकाई 1. भाषा संप्रेषण का अर्थ, संप्रेषण की अवधारणा, संप्रेषण की परिभाषाएं, संप्रेषण का स्वरूप, संप्रेषण के प्रकार, संप्रेषण का तकनीकी पक्ष, संप्रेषण का सामाजिक परिप्रेक्ष्य, भाषा शिक्षण में संप्रेषण का महत्व, संप्रेषण के उद्देश्य।

इकाई 2. संचार, दूर संचार टेलीफोन, रेडियो, दूरदर्शन, जन संचार हाट-बाजार, मेला आदि, मिडिया, प्रिंट मिडिया, इलेक्ट्रॉनिक मिडिया।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. सरकारी पत्र एवं दस्तावेज लेखन विधि : आविद रिजवी
2. संक्षेपण और पल्लवन : कैलाश चन्द्र भाटिया, तुमन सिंह

MAJOR COURSE- MJ 1

खोरठा भाषा साहित्य का प्राचीन इतिहास

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा का ऐतिहासिक पृष्टभूमि, उद्‌भव, विकास आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा साहित्य के प्रारम्भिक व विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. खोरठा भाषा के भावगत, भाषागत, शैलीगत आदि विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा भाषा साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव, विकास, लेखन परम्परा, नामकरण, क्षेत्र-विस्तार, खोरठा भाषा-भाषी समुदाय एवं जनसंख्या, खोरठा भाषा के विविध रूप, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

इकाई 2. खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास - सामान्य परिचय
(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

इकाई 3. खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास - सामान्य परिचय
(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार
2. खोरठा लोक साहित्य - डॉ. भोलानाथ महतो
3. खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. ए. के. झा

MAJOR COURSE- MJ 2

खोरठा भाषा का लोक साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. लोक साहित्य किसी भी भाषा का आधार स्तम्भ होता है। इससे विद्यार्थी खोरठा भाषा के लोक साहित्य के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. लोक साहित्य में लोक भावना, लोक ज्ञान और लोक परम्परा रहती है। इससे विद्यार्थी लोक साहित्य एवं उसके स्वरूप, विशेषताओं आदि के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा लोक साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. लोकगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई 2. लोक कथा एवं लोकनाट्य - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई 3. प्रकीर्ण साहित्य - लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली, मंत्र, खेलगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1.	खोरठा लोक साहित्य	-	शिवनाथ प्रमाणिक
2.	खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास)	-	डॉ बी. एन. ओहदार
3.	खोरठा लोक साहित्य	-	कल्याण विभाग, झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची (झारखण्ड सरकार)
4.	खोरठा वृहत् प्रकीर्ण साहित्य	-	डॉ. कुमुद कला मेहता, श्याम सुन्दर महतो 'श्याम'
5.	खोरठा लोक साहित्य	-	डॉ. भोलानाथ महतो

MAJOR COURSE- MJ 3

खोरठा भाषा का व्याकरण

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. व्याकरण भाषा की कसौटी होती है। इसी से भाषा निखरती है। भाषा के वैज्ञानिक ज्ञान हेतु व्याकरण की आवश्यकता होती है। इससे विद्यार्थी खोरठा भाषा के व्याकरण से परिचित हो सकेंगे।
2. व्याकरण की परम्परा, दरकार एवं विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा व्याकरण का सामान्य परिचय

इकाई 1. व्याकरण की परम्परा, व्याकरण का दरकार, विशेषताएँ।

इकाई 2. ध्वनि, वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, लिंग - परिभाषा एवं भेद।

इकाई 3. कारक, क्रिया, क्रिया-विशेषण, वाच्य, अव्यय, काल, उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास- परिभाषा व भेद।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1.	खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन	-	डॉ. ए.के. झा
2.	खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास)	-	डॉ बी. एन. ओहदार
3.	खोरठा भाषा गर्हन	-	कृष्ण चन्द्र दास आला
4.	खोरठा व्याकरण	-	निरंजन कुमार
5.	खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन	-	डॉ. ए. के. झा
6.	आधुनिक खोरठा बेयाकरन आर रचना	-	दिनेश कुमार 'दिनमणि'

MAJOR COURSE- MJ 4

खोरठा भाषा का पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. खोरठा भाषा के प्राचीन से आधुनिक कवि एवं काव्य कृतियों के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा के प्राचीन साहित्य के पुरोधाओं के बारे में जान सकेंगे।
3. किसी भी भाषा में परिवर्त्तन अनिवार्य तत्व है। खोरठा में भी आधुनिकता परिलक्षित होती रही है। इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक खोरठा कवि व काव्य से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

कवि का सामान्य परिचय एवं उनके प्रतिनिधि गीत-कविताएँ

इकाई 1. प्राचीन कवि एवं काव्य :- राजा दलेल सिंह, राजा रुद्र प्रताप सिंह, पदम दास, भवप्रीतानंद ओझा, तितकी राय आदि।

इकाई 2. आधुनिक कवि एवं काव्य :- श्रीनिवास पानुरी, भुनेश्वर दत्त शर्मा, डॉ. ए.के. झा, शिवनाथ प्रमाणिक, कुमारी शशि, डॉ. बिनोद कुमार, बंशीलाल बंशी, सुरेश कुमार विश्वकर्मा (सुकुमार), संतोष कु. महतो, जनार्दन गोस्वामी व्यथित आदि।

पाठ्य पुस्तक :-

1. जिनगीक डहर - कुमारी शशि (1–10 कविताएँ)
2. जुरगुड़ा - सं. संदीप कुमार महतो (5,9,10,13,15,17,20,22,37 एवं 42)

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ बी. एन. ओहदार
2. खोरठा गइद-पइद संगरह - खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद्
3. खोरठा खूंटा तितकी राय - मो. सिराजउद्दीन अंसारी 'सिराज'

MAJOR COURSE- MJ 5

खोरठा भाषा का गद्य साहित्य- कहानी

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. कहानी गद्य साहित्य के प्रमुख अंग है। विद्यार्थी खोरठा साहित्य के कहानियों के परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. कहानी गद्य साहित्य के सर्वाधिक लोकप्रिय विधा है। इसके माध्यम से विद्यार्थी गद्य साहित्य के कहानी के संदर्भ में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा गद्य साहित्य एवं कहानी का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि कहानी एवं कहानीकार

इकाई 1. कहानी का परिभाषा, कहानी के तत्व, कहानी का ध्येय, कहानी का प्रारम्भ और अंत, कहानी का स्वरूप तथा कहानी कहने के ढंग व विशेषताएँ।

इकाई 2. खोरठा शिष्ट कहानी का उद्‌भव-विकास, तत्व एवं विशेषताएँ।
खोरठा के प्रतिनिधि कहानी एवं कहानीकार।

पाठ्य पुस्तक :-

1. नचनी काकी - प्रहलाद चन्द्र दास
2. सोंध माटी - डॉ. विनोद कुमार (कहानी भाग)

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार -

MAJOR COURSE- MJ 6

खोरठा भाषा का उपन्यास साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के गद्य विधा की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा उपन्यास खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

उपन्यास का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि उपन्यास एवं उपन्यासकार।

इकाई 1. उपन्यास का प्रादुर्भाव, उपन्यास शब्द की व्याख्या और परिभाषा, उपन्यास के तत्व एवं उपन्यास के प्रकार।

इकाई 2. खोरठा उपन्यास का उद्‌भव-विकास, तत्व व विशेषताएँ।
खोरठा के प्रतिनिधि उपन्यास एवं उपन्यासकार।

पाठ्य पुस्तक :-

1. भगजोगनी - विश्वनाथ दसौंधी 'राज'
2. लालकोठी - डॉ. महेन्द्र नाथ गोस्वामी 'सुधाकर'

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी
3. साहित्यिक निबंध - गणपति चन्द्र गुप्त

MAJOR COURSE- MJ 7

खोरठा भाषा का नाटक साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के गद्य विधा नाटक की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा नाटक खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

नाटक का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि नाटक एवं नाटककार।

इकाई 1. नाटक का व्युत्पति और परिभाषा, नाटक का शेष साहित्य से सम्बन्ध, नाटक का महत्व, नाटक के तत्व, नाटक का उद्देश्य, भारतीय दृष्टिकोण, अभिनय तथा रंगमंच एवं रूपक के भेद।

इकाई 2. खोरठा नाट्य साहित्य की परम्परा,
खोरठा नाटक एवं एकांकी,
खोरठा के प्रतिनिधि नाटक एवं नाटककार।

पाठ्य पुस्तक :-

1. चाभी काठी - श्रीनिवास पानुरी
2. डाह - सुरेश कुमार विश्वकर्मा 'सुकुमार'

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. साहित्यिक निबंध - गणपति चन्द्र गुप्त
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी
3. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार

MAJOR COURSE- MJ 8

खोरठा भाषा का निबंध साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के निबंध साहित्य की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा निबंध खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

निबंध का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि निबंध एवं निबंधकार।

इकाई 1. निबंध शब्द का अर्थ एवं परिभाषा, नाटक का महत्ता, अभिव्यक्ति के प्रकार, निबंध के प्रकार आदि।

इकाई 2. खोरठा साहित्य में निबंधों का उद्‌भव-विकास,
खोरठा के प्रतिनिधि निबंध एवं निबंधकार।

इकाई 3. भाषा सम्बन्धी निबंध (खोरठा भाषा का उद्‌भव-विकास, क्षेत्र-विस्तार आदि से सम्बन्धित निबंध)
साहित्य सम्बन्धी निबंध (खोरठा भाषा के साहित्यकारों पर निबंध)
संस्कृति सम्बन्धी निबंध (पर्व-त्योहार एवं संस्कार आदि से सम्बन्धित निबंध)

पाठ्य पुस्तक :-

1. खोरठा निबंध - डॉ. बी. एन. ओहदार

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. साहित्यिक निबंध - डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी
3. खोरठा निबंध संग्रह - संपादक मंडल - डॉ. विनोद कुमार, प्रो दिनेश कु. दिनमणि, प्रो. कुमारी शशि, श्री गिरिधारी गोस्वामी 'आकाशखूंटी'
4. खोरठा दर्पण - बंशी लाल बंशी

MAJOR COURSE- MJ 9

खोरठा गद्य साहित्य की आधुनिक विधाएँ

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के आधुनिक गद्य साहित्य की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा के आधुनिक गद्य साहित्य में कई विधाएँ हैं। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

सामान्य परिचय, गद्य साहित्य की आधुनिक विधाएँ।

इकाई 1. संस्मरण - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

जीवनी - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

यात्रा वृतांत- उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

डायरी- उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

इकाई 2. समीक्षा - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

आलोचना - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

समालोचना- उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार
3. साहित्यिक निबंध - डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र

MAJOR COURSE- MJ 10

खोरठा काव्य के विविध रूप

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. खोरठा का पद्य साहित्य अत्यन्त समृद्ध है। इसके अध्ययन से भाषा की काव्य संरचना - रस, छंद, अलंकार आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा के महाकाव्य, खण्ड काव्य व गीतिकाव्य के विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
3. इसके अध्ययन से खोरठा भाषा में उत्कृष्ट पद्य साहित्य सृजन की प्रेरणा मिलेगी।

प्रस्तावित संरचना :-

काव्य के विविध रूपों का सामान्य परिचय एवं प्रतिनिधि काव्य

इकाई 1. खोरठा भाषा का महाकाव्य, प्रतिनिधि खण्ड काव्य एवं गीतिकाव्य - परिभाषा एवं विशेषताएँ।

इकाई 2. रस, छन्द, अलंकार- परिभाषा एवं प्रकार
(अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, अतिश्योक्ति अलंकार आदि।)

इकाई 3. शब्द शक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।
काव्य के गुण - प्रसाद, माधुर्य, ओज गुण आदि।
काव्य के दोष - शब्द, वाक्य, रस एवं अर्थ दोष आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1.	मइछगंधा (महाकाव्य)	-	शिवनाथ प्रमाणिक
2.	बाँवा हाथेक रतन	-	सुकुमार
3.	खोरठा रस, छंद, अलंकार	-	डॉ. ए.के. झा
4.	खोरठा काव्य में नौ रस	-	डॉ. अहिल्या कुमारी
5.	काव्य के तत्व	-	आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा

MAJOR COURSE- MJ 11

खोरठा भाषा का भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. भाषा की गहरी जानकारी हेतु भाषा विज्ञान का अध्ययन आवश्यक है। साहित्य में प्रयुक्त भाषा का निर्माण एवं संरक्षण का सम्पूर्ण ज्ञान भाषा विज्ञान से प्राप्त कर सकेंगे।
2. इसके द्वारा ही ध्वनि, शब्द आदि का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. भाषा विज्ञान किसी भी भाषा का आधार तत्व होता है। इसके अध्ययन से अपनी भाषा की संरचना और उसके विशेषताओं को जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा का परिचय, परिभाषा, उत्पत्ति, विशेषता, भाषा परिवर्तन के कारण, बोली और भाषा में अन्तर।

इकाई 2. ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान।

इकाई 3. अनुवाद विज्ञान - परिभाषा, प्रकार, उपयोगिता, कठिनाइयाँ आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार
2. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
4. खोरठा एवं नागपुरी का तुलनात्मक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. अरविन्द कुमार
5. खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. ए.के. झा

MAJOR COURSE- MJ 12

खोरठा भाषा के पत्र-पत्रिकाएँ

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. संचार माध्यमों की जानकारी देना इस पत्र का मुख्य उद्देश्य है।
2. विचारों का संवहन, प्रचार-प्रसार संचार माध्यमों के विभिन्न रूपों के द्वारा होता है। खोरठा भाषा के प्रचार-प्रसार में इनकी भूमिका को विद्यार्थी जान सकेंगे व इसके महत्व को समझेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा भाषा के पत्र-पत्रिकाओं का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा के पत्र-पत्रिकाओं का इतिहास - दैनिक, सप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक एवं वार्षिक।

इकाई 2. खोरठा भाषा के पत्र-पत्रिकाओं का क्रमिक विकास।

इकाई 3. खोरठा भाषा साहित्य में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान।

इकाई 4. खोरठा भाषा के पत्र-पत्रिकाओं का वर्तमान स्थिति एवं कारण आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा शिष्ट साहित्य - डॉ. अर्चना कुमारी
2. खोरठा की प्रमुख पत्रिकाएँ - तितकी, लुआठी, इंजोर, अखरा, करील आदि

MAJOR COURSE- MJ 13

सामान्य जाति विज्ञान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी सामान्य जाति विज्ञान के अंतर्गत भारत में निवास करने वाले सभी जातियों के जातिगत संरचना की जानकारी पा सकेंगे।
2. प्रजाति एवं समुदाय के आधार पर उनके विशेषताओं की जानकारी देना, उनके रूढ़िगत प्रथाओं के बारे में जानना, रहन-सहन और जातिगत प्रथाओं एवं सामाजिक संरचनाओं की जानकारी देना।

प्रस्तावित संरचना :-

सामान्य जाति विज्ञान का परिचय

इकाई 1. जाति विज्ञान की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता एवं वैशिष्ट्य, संस्कृति की अवधारणा और परिवर्तन तथा अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई 2. जाति विशेष की उत्पत्ति, इतिहास, प्रवर्जन, आर्थिक-व्यवस्था, सामाजिक-व्यवस्था, धार्मिक-व्यवस्था, राजनीतिक-व्यवस्था, पर्व-त्योहार, वर्जनाएँ, औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के प्रभाव, जनजाति व गैरजनजातियों का विकास, समस्याएँ एवं संभावनाएँ।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड की जनजातियाँ - डॉ. बिमला चरण शर्मा
2. झारखण्ड की जनजातियाँ - डॉ. चतुर्भुज साहु
3. झारखंड : इतिहास एवं संस्कृति - डॉ. बी. वीरोत्तम
4. झारखण्ड के सदान - डॉ. वी. पी. केशरी
5. नृजाति विज्ञान - डॉ. निरंजन कुमार
6. झारखण्ड के सदानों का इतिहास - डॉ. बिरेन्द्र साहु

MAJOR COURSE- MJ 14

सामान्य भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी भाषाओं के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्भव-विकास आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. भाषा साहित्य के प्रारम्भिक एवं विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. भाषा के भावगत, भाषागत, शैलीगत आदि विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

सामान्य भाषा विज्ञान का परिचय

इकाई 1. भाषा विज्ञान की परिभाषा व क्षेत्र, प्रकार या पद्धतियाँ, लाभ एवं उपयोगिता, उत्पत्ति, विविध रूप, विशेषताएँ, प्रवृत्तियाँ एवं महत्व, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषाओं का वर्गीकरण आदि।

इकाई 2. ध्वनि-विज्ञान, शब्द-विज्ञान, अर्थ-विज्ञान, पद-विज्ञान, वाक्य-विज्ञान, शैली-विज्ञान, कोश-विज्ञान, लिपि-विज्ञान।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा

MAJOR COURSE- MJ 15

सामान्य लोक साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. लोक साहित्य किसी भी भाषा का आधार स्तम्भ होता है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी लोक साहित्य के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. लोक साहित्य में लोक भावना, लोक ज्ञान और लोक परम्परा विद्यमान रहती है। इससे विद्यार्थी लोक साहित्य एवं उसके स्वरूप, विशेषताओं आदि के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

लोक साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. लोक साहित्य की अवधारणा, परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ एवं महत्व।

इकाई 2. लोक गीत, लोक नृत्य, लोक नाट्य एवं लोक कथा की परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई 3. प्रकीर्ण साहित्य - लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली, मंत्र, खेलगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. लोक साहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक साहित्य और संस्कृति - डॉ. दिनेश्वर प्रसाद
3. खोरठा लोकगीतों का सांस्कृतिक अध्ययन - डॉ. विनोद कुमार

MAJOR COURSE- MJ 16

साहित्य सिद्धांत

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इससे विद्यार्थी भाषा की काव्य संरचना- रस, छंद, अलंकार के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. महाकाव्य, प्रबंध काव्य, खंडकाव्य आदि के विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
3. इसके माध्यम से नवीन रचनाओं का सृजन कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

साहित्य सिद्धांत का सामान्य परिचय

इकाई 1. काव्य की परिभाषा, हेतु, प्रयोजन, तत्व, गुण-दोष, रूप का अध्ययन (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण)।

इकाई 2. साहित्य के विविध विधाएँ - काव्य, प्रबंध काव्य, खंड काव्य, गीतिकाव्य, चंपू, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी, डायरी, रिपोतार्ज, समीक्षा, आलोचना, समालोचना के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

इकाई 3. शब्द-शक्ति, रस निरूपण, छंद, अलंकार के परिभाषा एवं भेद-प्रभेद, साधारणीकरण : अर्थ एवं परिभाषा।

छंद- चौपाई, दोहा, मालिनी, मंदाक्रान्ता, सवैया।
अलंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, उपमा, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, संदेह, अतिश्योक्ति, विभावना आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. काव्य के तत्व - देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
3. काव्य के रूप - गुलाब राय
4. साहित्यालोचन - डॉ. श्यामसुन्दर दास
5. काव्य के तत्व और आयाम - डॉ. बी. पी. केशरी

MAJOR COURSE- MJ 17

प्राचीन भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इससे विद्यार्थी प्राचीन भारतीय साहित्य के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक आदि ग्रंथों से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

प्राचीन भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. वेद, पुराण, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक आदि ।

इकाई 2. रामायण, महाभारत तथा कालिदास और भवभूति के साहित्यों का सामान्य परिचय।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - वाचस्पति गैरोला
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. वैदिक साहित्य का इतिहास - प्रोफेसर पारसनाथ द्विवेदी

MAJOR COURSE- MJ 18

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इससे विद्यार्थी हिन्दी साहित्य का इतिहास के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकालीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक हिन्दी साहित्य के प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. आदिकालीन भारतीय साहित्य - सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य एवं आदिकालीन स्वतंत्र साहित्य- लौकिक पद्य एवं गद्य साहित्य।

इकाई 2. मध्यकालीन भारतीय साहित्य - भक्ति आंदोलन, निर्गुण- ज्ञानमार्गी व प्रेममार्गी धारा, सगुण- राम मार्गी, कृष्णमार्गी एवं शैव-शाक्त आदि काव्यों का परिचय।

इकाई 3. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र एवं हरदयाल
3. हिन्दी साहित्य का समेकित इतिहास - डॉ. नगेन्द्र
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह

MAJOR COURSE- MJ 19

भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. भारतीय साहित्य के अन्तर्गत विद्यार्थी विभिन्न प्रदेशों के भाषाओं के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भारतीय साहित्य के जनपदीय साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

भारतीय साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. भारतीय साहित्य - तमिल, तेलुगु, मराठी, बंगला, उड़िया, असमिया, छत्तीसगढ़ी साहित्य आदि।

इकाई 2. भारतीय साहित्य और झारखंडी साहित्य - आदान-प्रदान स्थापत्य, प्रवृत्ति, विचार (हिंदी, मराठी, उड़िया, बंगला, असमिया, छत्तीसगढ़ी साहित्य आदि) के संदर्भ में।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. भारतीय साहित्य की रूपरेखा - डॉ. भोलाशंकर व्यास
2. भारतीय साहित्य की भूमिका - रामविलास शर्मा
3. आधुनिक भारतीय साहित्य - डॉ. राजेन्द्र मिश्र

MAJOR COURSE- MJ 20

अनुवाद विज्ञान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. अनुवाद साहित्य के अन्तर्गत विद्यार्थी विभिन्न प्रदेशों के भाषाओं के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भारतीय साहित्य के जनपदीय साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

अनुवाद विज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई 1. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, कला, शिल्प या विज्ञान, उद्देश्य, विशेषताएँ, महत्व, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं से।

इकाई 2. जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी और अंग्रेजी भाषा में अनुवाद एवं हिंदी और अंग्रेजी भाषा से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान - विनोद गोदरे
3. अनुवाद कला : सिद्धांत एवं प्रयोग - डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया
4. अनुवाद कला - डॉ. विश्वनाथ अय्यर

ADVANCE MAJOR COURSE- AMJ 1

झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी झारखण्ड के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीदों के जीवनी से परिचित हो सकेंगे।
2. भारत की आजादी के महानायकों में अपने शूरवीर पूर्वजों के योगदान का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थियों में पूर्वजों का गौरव, त्याग, तपस्या, देश-प्रेम आदि की भावना जागृत होंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

इकाई 1. सिद्धो-कान्हू, तिलका मांझी, ठाकुर विश्वनाथ साहदेव, पाण्डेय गणपत राय, शेख भिखारी, टिकैत उमराव, बिरसा मुण्डा, बुधु भगत, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलाम्बर-पिताम्बर, सिनगी दई, नारा हो आदि।

इकाई 2. अल्बर्ट एक्का, जयपाल सिंह मुण्डा, कार्तिक उराँव, बिनोद बिहारी महतो, निर्मल महतो आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड कर सहीद (नागपुरी अनुवाद) - डॉ. खालिक अहमद एवं राजेश कुजूर
2. झारखण्ड के शहीद - डॉ. भुवनेश्वर अनुज

ADVANCE MAJOR COURSE- AMJ 2

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय के संस्कृति, सांस्कृतिक केन्द्र, कानून व पारम्परिक शासन व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. झारखण्डी कानून व पारम्परिक शासन-व्यवस्था से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था का सामान्य परिचय

इकाई 1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सी.एन.टी. एक्ट 1908 अधिनियम)

संतालपरगना काश्तकारी अधिनियम (एस.पी.टी. एक्ट अधिनियम)

इकाई 2. पेसा (PESA) कानून 'द प्रोविजनल ऑफ पंचायत एक्टेंशन टू द शिड्यूल्ड एरिया-1996 एवं विल्किन्सन रूल'

इकाई 3. पारम्परिक शासन व्यवस्था - मुण्डा-मानकी व्यवस्था, पड़हा-पंचायत व्यवस्था, मांझी परगनैत व्यवस्था,

डोकलो-सोहोर व्यवस्था, ग्रामसभा व्यवस्था, पाहन, महतो, दिवान, कोटवार आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम - डी. पी. नरूला
2. संताल परगना काश्तकारी अधिनियम - क्राउन पब्लिकेशन
3. झारखण्डी पंचायती राज अधिनियम 2001 - रश्मि कात्यायन
4. आदिवासियों की पारम्परिक शासन व्यवस्था एवं पंचायती राज : संदर्भ झारखण्ड - सं. सुधीर पाल
5. आदिवासी अधिकार - सं. रमेश जेराई
6. झारखण्ड लैण्ड मैनुअल - रश्मि कात्यायन
7. खड़िया जनजाति की पारम्परिक शासन-व्यवस्था - चन्द्र किशोर केरकेट्टा
8. हो जनजाति की पारम्परिक मानकी मुण्डा स्वशासन व्यवस्था - कमल लोचन कोड़ाह 'हो'
9. भूमि हस्तांतरण का जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रभाव - डॉ. हीरा मणि कुमारी
10. झारखण्ड में आदिवासियों की पारम्परिक स्वशासन व्यवस्था संताल, पहाड़िया, हो, मुण्डा, उराँव, खड़िया - बीर सिंह सिंकु

ADVANCE MAJOR COURSE- AMJ 3

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी सभी प्रकार के संस्कारों को जान पायेंगे।
2. विद्यार्थी झारखण्ड के सभी संस्कृतियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी जनजातीय गाँव के रूढ़ीगत प्रथाओं के बारे में जान सकेंगे।
4. विद्यार्थी झारखण्ड के पर्व-त्योहारों से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति का सामान्य परिचय

इकाई 1. संस्कृति - संस्कृति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, झारखण्डी संस्कृति की विशेषताएँ एवं परिवर्तन के कारण।

इकाई 2. पर्व-त्योहार - फगुवा, सरहुल, मंडा, आसारी, मनसा पूजा, करम, जितिया, दसंय, सोहराय, नवाखानी, बउंड़ी (टुसू), जतरा आदि।

इकाई 3. संस्कार - जन्म, नामकरण, मुण्डन, कर्णभेदी, विवाह, मृत्यु (हड़गड़ी) संस्कार आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खड़िया, मुण्डा और उराँव संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. जोवाकिम डुंगडुंग
2. समाज और संस्कृति - डॉ. श्याम चरण दुबे
3. पर्व-त्योहार, मेले और पर्यटन - संजय कृष्ण
4. कोल्हान की हो जाति के पर्व-त्योहार एवं कृषि कार्य - डॉ. जानुम सिंह पिंगुआ
5. उराँव संस्कृति परिवर्त्तन एवं दिशाएँ - डॉ. शांति खलखो
6. हो जनजाति के पर्व-त्योहारों में देवी-देवताओं का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व- डॉ. दिनेश चन्द्र बोयपाई
7. उराँव-सरना : धर्म और संस्कृति - मिखाइल कुजूर
8. उराँव एवं सदान संस्कृति - डॉ. गिरिधारी राम गौंझू

INTRODUCTORY REGULAR COURSE (IRC)

खोरठा भाषा एवं साहित्य का सामान्य परिचय

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. वर्त्तमान समय में जब विश्व एक परिवार के समान एकजुट हो चुका है। ऐसे में खोरठा भाषा के बारे में बतलाना विद्यार्थियों को जरूरी है।
2. खोरठा झारखण्ड की द्वितीय राजभाषा है। अतित में छोटानागपुर की राजभाषा लगभग 2000 वर्षों तक रह चुकी है। अतः इस पत्र के माध्यम से छात्रों को जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
3. विद्यार्थी खोरठा भाषा की ऐतिहासिकता, उद्‌भव, विकास, भौगोलिक विस्तार, जनसंख्या एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा भाषा एवं साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा का ऐतिहासिकता- उदभव-विकास एवं क्षेत्रीय भिन्नताएँ।

इकाई 2. सम्पर्क भाषा एवं मातृभाषा के रूप में खोरठा

सदानों एवं जनजातियों की मातृभाषा, सम्पर्क भाषा एवं अन्य भाषाओं के साथ खोरठा भाषा का सम्बन्ध।

इकाई 3. खोरठा भाषा का भौगोलिक विस्तार एवं जनसंख्या

पार्श्व प्रदेश - असम, बंगाल, उड़िसा, छत्तीसगढ़, बिहार एवं अण्डमान निकोबार द्वीप समूह आदि।

इकाई 4. खोरठा भाषा का लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य

(क) लोकसाहित्य- (अ) पद्य साहित्य - लोकगीत (ब) गद्य साहित्य - लोककथा एवं प्रकीर्ण साहित्य।

(ख) शिष्ट साहित्य- (अ) पद्य साहित्य- गीत एवं कविताएं (ब) गद्य साहित्य- कहानी, निबंध, संस्मरण, जीवनी।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा गइद-पइद संगरह - प्रकाशक खोरठा साहित्य, संस्कृति परिषद्
2. खोरठा लोक साहित्य - कल्याण विभाग, झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची (झारखण्ड सरकार)
3. खोरठा एवं नागपुरी का तुलनात्मक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. अरविन्द कुमार

4. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी.एन. ओहदार
5. ककर नामे लिखब गीत - पंचम महतो
6. खोरठा लोक साहित्य - डॉ. भोला महतो
7. पइनसोखा (खोरठा गीत संग्रह) - सं. सुकुमार

MINOR ELECTIVE - MN 1

झारखण्डी समुदाय का पारम्परिक सांस्कृतिक केन्द्र, कला-साहित्य-संस्कृति, जनसंचार एवं खेल-कूद

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय का सांस्कृतिक केन्द्र, पारम्परिक कला-साहित्य-संस्कृति, पारम्परिक जनसंचार एवं खेल-कूद को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी कला एवं समाज के बीच पारस्परिक सम्बन्ध के बारे में समझ सकते हैं।
3. विद्यार्थी सभी पारम्परिक कला, साहित्य संस्कृति व खेल-कूद को जान पाएंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

पारम्परिक सांस्कृतिक केन्द्र, कला-साहित्य-संस्कृति, जनसंचार एवं खेल-कूद का सामान्य परिचय

इकाई 1. धुमकुड़िया, गिता चाड़ी, गितिः ओडाः, गितिः ओअ, गिपितिच् टाँडी, माँझी अखड़ा।
अखड़ा - परिभाषा, सामाजिक महत्व एवं विशेषता।

इकाई 2. कला का सामान्य परिचय, वर्गीकरण, महत्व, झारखण्ड की पारम्परिक प्रमुख कलाएँ- मिट्टीकला, चित्रकला, काष्ठकला, बाँसकला, हस्तकला आदि, कला-साहित्य एवं समाज का अंतर्सबन्ध कला-संस्कृति का अंतर्सबन्ध।

इकाई 3. झारखण्ड की पारम्परिक जनसंचार माध्यम, झारखण्ड की पारम्परागत खेलों का परिचय, स्वरूप, विशेषताएँ।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड की पारम्परिक कलाएँ - सं. डॉ. गिरिधारी राम गौंझू
2. झारखण्ड की सांस्कृतिक विरासत - डॉ. गिरिधारी राम गौंझू
3. भारतीय जनजातीय संस्कृति - गया पाण्डेय
4. सदानों की कला-संस्कृति - डॉ. अंजुलता कुमारी
5. झारखण्ड की पत्रकारिता और जनजातीय जनसंचार - डॉ. मो. इलियास 'मजीद'
6. झारखण्ड के परम्परागत खेल - एम. मोदस्सर

MINOR ELECTIVE - MN 2

झारखण्डी समुदाय का पारम्परिक वाद्ययंत्र, गीत, नृत्य शैलियाँ एवं आभूषण

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. झारखण्ड की पारम्परिक वाद्य-यंत्र एवं उनकी बनावट, प्रकृति आदि से परिचित हो सकेंगे।
2. खोरठा राग-रागिनी के समग्र रूपों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. खोरठा नृत्य शैली की परिभाषा, प्रकार, विशेषता व महत्व से अवगत हो सकेंगे।
4. झारखण्ड के पारम्परिक आभूषणों के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्ड की पारम्परिक आभूषण, वाद्ययंत्र, गीत एवं नृत्य शैलियों का सामान्य परिचय

इकाई 1. वाद्ययंत्र एवं प्रकार- बनावट, प्रकृति, आकार-प्रकार- मांदर, बाँसुरी, शहनाई, नगाड़ा, ढोल, ढाक, बनम, घंटा, भेइर, नरसिंघा, झांझ आदि।

इकाई 2. राग-रागिनी की परिभाषा एवं वर्गीकरण- डमकच, डोहा, उदासी, डंड़धरा, गोलवारी, झिंगफूलिया, अधरतिया, भिनसरिया, झूमइर, झुमटा, घोड़ा नाच, नटुवा।

इकाई 3. नृत्य-नृत्य की परिभाषा, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई 4. पारम्परिक आभूषण- हंसली, बहिकल, पछुवा, ककना, पोंहची, बंगोरी, पंयरी, बिछिया आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड का लोकसंगीत - सं. डॉ. गिरिधारी राम गौंझू
2. नागपुरी नृत्य संगीत : एक अध्ययन - डॉ. अशोक कुमार बड़ाईक
3. नागपुरी लोकगीत, लोकनृत्य और लोक वाद्य - डॉ. विद्योत्तमा निधि
4. झारखण्ड के पारम्परिक आभूषण - डॉ. अंजुलता कुमारी
5. खोरठा लोकसाहित - कल्याण विभाग, झारखण्ड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची (झारखण्ड सरकार)

MINOR ELECTIVE - MN 3

झारखण्डी समुदाय का पारम्परिक पाक कला एवं पारम्परिक औषधीय ज्ञान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय का पारम्परिक पाक कला एवं पारम्परिक औषधीय ज्ञान से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी सभी प्रकार के पारम्परिक पकवानों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी रोग निरोधक औषधीय गुणों से परिचत होंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्डी समुदाय का पारम्परिक पाक कला एवं पारम्परिक औषधीय ज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई 1. पारम्परिक पाक कला - मडुआ रोटी, मकई-सरई-महुआ लाठा, मडुआ लेटो, धुसका, बारा, खपरपोड़वा, दुधौरी, छिलका रोटी, थापा रोटी, पुवा, अइरसा रोटी, टांगा पीठा, गुदनु पीठा, मीट-मछली पकाने की कला आदि।

इकाई 2. पारम्परिक औषधीय ज्ञान - सामान्य वनस्पति, जंगली वनस्पति, घरेलु उपयोगी वनस्पति आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड की पारम्परिक रसोईकला - डॉ. विद्योत्तमा निधि
2. पारम्परिक औषधीय ज्ञान - प्र.सं. डॉ. उमेश नन्द तिवारी, डॉ. राम कुमार, डॉ. अहिल्या कुमारी, डॉ. नरेन्द्र दास, डॉ. उपेन्द्र कुमार एवं अन्य।

Note: Honours students not undertaking research will do 3 courses for 12 credits in lieu of a Research project/ Dissertations.

NUR-1

लेखन एवं प्रारूपण विधि, रचना प्रक्रिया तथा वाक्यांश, शब्द एवं वाक्यों का अनुवाद

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इससे विद्यार्थी लेखन प्रक्रिया को सीख सकेंगे।
2. किसी भी भाषा को खोरठा में अनुवाद करने की कला सीख पायेंगे।
3. सभी प्रकार के कार्यालयी पत्र एवं संपादकीय पत्र लेखन को सीख पायेंगे ।

प्रस्तावित संरचना :-

लेखन एवं प्रारूपण विधि का सामान्य परिचय

इकाई 1. पत्र लेखन, कार्यालयी पत्र-व्यवहार, संपादकीय पत्र लेखन, आवेदन लेखन।

इकाई 2. हिन्दी या अंग्रेजी से खोरठा भाषा में किसी गद्यांश अथवा पद्यांश का अनुवाद।

इकाई 3. खोरठा भाषा से हिन्दी या अंग्रेजी में किसी गद्यांश अथवा पद्यांश का अनुवाद।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. रचना प्रक्रिया - डॉ. उमेश नन्द तिवारी
2. रचनात्मक लेखन - डॉ. रमेश गौतम
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसाद
4. मिसाइल मैन : ए.पी.जे. अब्दुल कलाम - डॉ. खालिक अहमद (अनुवादक)

NUR-2

झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इससे विद्यार्थी झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक को जान सकेंगे।
2. किसी भी भूभाग को जानने से पहले उसके प्राचीन इतिहास के बारे में जानना जरूरी है, इससे विद्यार्थी झारखण्ड के प्रायः सभी पर्यटक स्थल व प्राचीन स्मारकों के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्ड के पर्यटन स्थल एवं प्राचीन स्मारक का सामान्य परिचय

इकाई 1. झारखण्ड के विश्वविख्यात त्रिशूल, हनुमान जी का जन्मस्थान, चतुर्मुखा महादेव, प्राचीन चमत्कारी मंदिर, पुरातात्त्विक एवं ऐतिहासिक स्थल आदि।

इकाई 2. झारखण्ड के प्रमुख पर्यटन स्थल - हुंडरू जल प्रपात, जोन्हा जल प्रपात, दशम जल प्रपात, डोम्बारी पहाड़, मरांग बुरू पहाड़, लुगुबुरू घंटाबाड़ी, पारसनाथ, चुल्हा पानी, बुढ़ा घाघ, परेंवा घाघ, पंचघाघ, पतरातु डैम, रूका डैम, धुर्वा डैम, चाण्डील डैम, रॉक गार्डेन, टैगोर हिल आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड के प्राचीन स्मारक - डॉ. भुवनेश्वर अनुज
2. राँची जिला के प्रमुख धार्मिक स्थलों का ऐतिहासिक अध्ययन - डॉ. मनोज कुमार साव

NUR-3

झारखण्ड के कृषि उत्पाद एवं इससे सम्बन्धित साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. कृषि उत्पाद में झारखण्ड के यागदान को बताना।
2. कृषि आधारित व्यवसायों को प्रोत्साहन देना।
3. रोजगार के अवसर प्रदान करना।
4. नयी कृषि तकनीक व उपकरणों के बारे में जानकारी देना।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्ड के कृषि उत्पाद एवं इससे सम्बन्धित साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. पारम्परिक कृषि - धान, मडुवा, गोंदली, गोड़ा, उरिद, कुरथी, अरहर, लाह आदि।

इकाई 2. आधुनिक कृषि - सब्जियों का उत्पादन - मशरूम, चना, मटर आदि।

इकाई 3. झारखण्डी कृषि एवं उससे सम्बन्धित लोकगीत।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. बागवानी कला - पुस्तक महल
2. कृषि एवं प्रौद्योगिकी - एक्सपर्ट ऑफ पैनल

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 1

खोरठा भाषा साहित्य का प्राचीन इतिहास

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा का ऐतिहासिक पृष्टभूमि, उद्‌भव, विकास आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा साहित्य के प्रारम्भिक व विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
3. खोरठा भाषा के भावगत, भाषागत, शैलीगत आदि विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा भाषा साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्‌भव, विकास, लेखन परम्परा, नामकरण, क्षेत्र-विस्तार, खोरठा भाषा-भाषी समुदाय एवं जनसंख्या, खोरठा भाषा के विविध रूप, विशेषताएँ, समस्याएँ एवं सम्भावनाएँ।

इकाई 2. खोरठा पद्य साहित्य का इतिहास - सामान्य परिचय
(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

इकाई 3. खोरठा गद्य साहित्य का इतिहास - सामान्य परिचय
(क) प्राचीन काल
(ख) मध्यकाल
(ग) आधुनिक काल

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा एवं नागपुरी का तुलनात्मक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. अरविन्द कुमार
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी.एन. ओहदार

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 2

खोरठा भाषा का लोक साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. लोक साहित्य किसी भी भाषा का आधार स्तम्भ होता है। इससे विद्यार्थी खोरठा भाषा के लोक साहित्य के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. लोक साहित्य में लोक भावना, लोक ज्ञान और लोक परम्परा रहती है। इससे विद्यार्थी लोक साहित्य एवं उसके स्वरूप, विशेषताओं आदि के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा लोक साहित्य का सामान्य परिचय

इकाई 1. लोकगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई 2. लोक कथा एवं लोकनाट्य - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

इकाई 3. प्रकीर्ण साहित्य - लोकोक्ति, मुहावरे, पहेली, मंत्र, खेलगीत - परिभाषा, वर्गीकरण, विशेषताएँ, महत्व।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा लोक साहित्य - शिवनाथ प्रमाणिक
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 3

खोरठा भाषा का व्याकरण

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. व्याकरण भाषा की कसौटी होती है। इसी से भाषा निखरती है। भाषा के वैज्ञानिक ज्ञान हेतु व्याकरण की आवश्यकता होती है। इससे विद्यार्थी खोरठा भाषा के व्याकरण से परिचित हो सकेंगे।
2. व्याकरण की परम्परा, दरकार एवं विशेषताओं के बारे में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा व्याकरण का सामान्य परिचय

इकाई 1. व्याकरण की परम्परा, व्याकरण का दरकार, विशेषताएँ।

इकाई 2. ध्वनि, वर्ण, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, लिंग - परिभाषा एवं भेद।

इकाई 3. कारक, क्रिया, क्रिया-विशेषण, वाच्य, अव्यय, काल, कृन्दत, तद्धित, उपसर्ग, प्रत्यय एवं समास-परिभाषा व भेद।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा व्याकरण - निरंजन कुमार
2. खोरठा सहित सदानिक बेयाकरन - डॉ. ए.के. झा
3. आधुनिक खोरठा बेयाकरन आर रचना - दिनेश कुमार 'दिनमणि'

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 4

खोरठा भाषा का पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. खोरठा भाषा के प्राचीन से आधुनिक कवि एवं काव्य कृतियों के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा के प्राचीन साहित्य के पुरोधाओं के बारे में जान सकेंगे।
3. किसी भी भाषा में परिवर्त्तन अनिवार्य तत्व है। खोरठा में भी आधुनिकता परिलक्षित होती रही है। इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक खोरठा कवि व काव्य से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

कवि का सामान्य परिचय एवं उनके प्रतिनिधि गीत-कविताएँ

इकाई 1. प्राचीन कवि एवं काव्य :- राजा दलेल सिंह, राजा रुद्र प्रताप सिंह, पदम दास, भवप्रीतानंद ओझा, तितकी राय आदि।

इकाई 2. आधुनिक कवि एवं काव्य :- श्याम सुन्दर महतो, विश्वनाथ नागर, महेन्द्र प्रबुद्ध, विश्वनाथ दसौंधी राज, राम शरण विश्वकर्मा, परितोष कु. प्रजापति, डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर, शांति भारत आदि।

पाठ्य पुस्तक :-

1. बावां होथेक रतन (खोरठा काव्य) - सुकुमार
2. आँखीक गीत - श्रीनिवास पानुरी

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्भव एवं विकास) - डॉ बी. एन. ओहदार
2. खोरठा गइद-पइद संगरह - खोरठा साहित्य संस्कृति परिषद्
3. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 5

खोरठा भाषा का गद्य साहित्य- कहानी

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. कहानी गद्य साहित्य के प्रमुख अंग है। विद्यार्थी खोरठा साहित्य के कहानियों के परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
2. कहानी गद्य साहित्य के सर्वाधिक लोकप्रिय विधा है। इसके माध्यम से विद्यार्थी गद्य साहित्य के कहानी के संदर्भ में जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा गद्य साहित्य एवं कहानी का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि कहानी एवं कहानीकार

इकाई 1. कहानी का परिभाषा, कहानी के तत्व, कहानी का ध्येय, कहानी का प्रारम्भ और अंत, कहानी का स्वरूप तथा कहानी कहने के ढंग व विशेषताएँ।

इकाई 2. खोरठा शिष्ट कहानी का उद्‌भव-विकास, तत्व एवं विशेषताएँ।
खोरठा के प्रतिनिधि कहानी एवं कहानीकार।

पाठ्य पुस्तक :-

1. डेगे-डेगे काँटा - महेन्द्र नाथ गोस्वामी 'सुधाकर'

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. साहित्यिक निबंध - डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 6

खोरठा भाषा का उपन्यास साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के गद्य विधा की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा उपन्यास खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

उपन्यास का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि उपन्यास एवं उपन्यासकार।

इकाई 1. उपन्यास का प्रादुर्भाव, उपन्यास शब्द की व्याख्या और परिभाषा, उपन्यास के तत्व एवं उपन्यास के प्रकार।

इकाई 2. खोरठा उपन्यास का उद्‌भव-विकास, तत्व व विशेषताएँ।
खोरठा के प्रतिनिधि उपन्यास एवं उपन्यासकार।

पाठ्य पुस्तक :-

1. पारसनाथ - इमतियाज गदर

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. साहित्यिक निबंध - डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र
2. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 7

खोरठा भाषा का नाटक साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के गद्य विधा नाटक की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा नाटक खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

नाटक का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि नाटक एवं नाटककार।

इकाई 1. नाटक का व्युत्पति और परिभाषा, नाटक का शेष साहित्य से सम्बन्ध, नाटक का महत्व, नाटक के तत्व, नाटक का उद्देश्य, भारतीय दृष्टिकोण, अभिनय तथा रंगमंच एवं रूपक के भेद।

इकाई 2. खोरठा नाट्य साहित्य की परम्परा,
खोरठा नाटक एवं एकांकी,
खोरठा के प्रतिनिधि नाटक एवं नाटककार।

पाठ्य पुस्तक :-

1. जोंक - महेन्द्र नाथ गोस्वामी सुधाकर
2. इंजोरिया - डॉ. आनंद किशोर दांगी

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. साहित्यिक निबंध - डॉ. दुर्गाशंकर मिश्र

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 8

खोरठा भाषा का निबंध साहित्य

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के निबंध साहित्य की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा निबंध खोरठा समाज का प्रतिबिम्ब है। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

निबंध का सामान्य परिचय, प्रतिनिधि निबंध एवं निबंधकार।

इकाई 1. निबंध शब्द का अर्थ एवं परिभाषा, नाटक का महत्ता, अभिव्यक्ति के प्रकार, निबंध के प्रकार आदि।

इकाई 2. खोरठा साहित्य में निबंधों का उद्‌भव-विकास,
खोरठा के प्रतिनिधि निबंध एवं निबंधकार।

इकाई 3. भाषा सम्बन्धी निबंध (खोरठा भाषा का उद्‌भव-विकास, क्षेत्र-विस्तार आदि से सम्बन्धित निबंध)
साहित्य सम्बन्धी निबंध (खोरठा भाषा के साहित्यकारों पर निबंध)
संस्कृति सम्बन्धी निबंध (पर्व-त्योहार एवं संस्कार आदि से सम्बन्धित निबंध)

पाठ्य पुस्तक :-

1. खोरठा निबंध - डॉ. बी. एन. ओहदार

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. साहित्यिक निबंध - गणपति चन्द्र गुप्त
2. खोरठा दर्पण - बंशी लाल बंशी

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 9

खोरठा गद्य साहित्य की आधुनिक विधाएँ

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. विद्यार्थी खोरठा भाषा के आधुनिक गद्य साहित्य की व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा के आधुनिक गद्य साहित्य में कई विधाएँ हैं। इसकी जानकारी विद्यार्थी इस पत्र के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

सामान्य परिचय, गद्य साहित्य की आधुनिक विधाएँ।

इकाई 1. संस्मरण - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

जीवनी - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

यात्रा वृतांत- उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

डायरी- उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

इकाई 2. समीक्षा - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

आलोचना - उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

समालोचना- उद्‌भव-विकास, परिभाषा, तत्व व विशेषताएँ।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खोरठा शिष्ट साहित्य : एक अध्ययन - डॉ. अर्चना कुमारी
2. खोरठा भाषा एवं साहित्य (उद्‌भव एवं विकास) - डॉ. बी. एन. ओहदार
3. साहित्यिक निबंध - गणपति चन्द्र दास

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 10

खोरठा काव्य के विविध रूप

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. खोरठा का पद्य साहित्य अत्यन्त समृद्ध है। इसके अध्ययन से भाषा की काव्य संरचना - रस, छंद, अलंकार आदि के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. खोरठा भाषा के महाकाव्य, खण्ड काव्य व गीतिकाव्य के विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
3. इसके अध्ययन से खोरठा भाषा में उत्कृष्ट पद्य साहित्य सृजन की प्रेरणा मिलेगी।

प्रस्तावित संरचना :-

काव्य के विविध रूपों का सामान्य परिचय एवं प्रतिनिधि काव्य

इकाई 1. खोरठा भाषा का महाकाव्य, प्रतिनिधि खण्ड काव्य एवं गीतिकाव्य- परिभाषा एवं विशेषताएँ।

इकाई 2. रस, छन्द, अलंकार- परिभाषा एवं प्रकार
(अनुप्रास, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, अतिश्योक्ति अलंकार आदि।)

इकाई 3. शब्द शक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।
काव्य के गुण - प्रसाद, माधुर्य, ओज गुण आदि।
काव्य के दोष - शब्द, वाक्य, रस एवं अर्थ दोष आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. दामुदरेक कोराञ् - शिवनाथ प्रमाणिक
2. संक्षिप्त अलंकार-मुक्तावली (काव्यांग सहित) - आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. खोरठा काव्य में नौ रस - डॉ. अहिल्या कुमारी

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 11

खोरठा भाषा का भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. भाषा की गहरी जानकारी हेतु भाषा विज्ञान का अध्ययन आवश्यक है। साहित्य में प्रयुक्त भाषा का निर्माण एवं संरक्षण का सम्पूर्ण ज्ञान भाषा विज्ञान से प्राप्त कर सकेंगे।
2. इसके द्वारा ही ध्वनि, शब्द आदि का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. भाषा विज्ञान किसी भी भाषा का आधार तत्व होता है। इसके अध्ययन से अपनी भाषा की संरचना और उसके विशेषताओं को जान सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

खोरठा भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय

इकाई 1. खोरठा भाषा का परिचय, परिभाषा, उत्पत्ति, विशेषता, भाषा परिवर्तन के कारण, बोली और भाषा में अन्तर।

इकाई 2. ध्वनि विज्ञान, पद विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान।

इकाई 3. अनुवाद विज्ञान - परिभाषा, प्रकार, उपयोगिता, कठिनाइयाँ आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
3. खोरठा एवं नागपुरी का तुलनात्मक भाषा वैज्ञानिक अध्ययन - डॉ. अरविन्द कुमार

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 12

सामान्य जाति विज्ञान

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी सामान्य जाति विज्ञान के अंतर्गत भारत में निवास करने वाले सभी जातियों के जातिगत संरचना की जानकारी पा सकेंगे।
2. प्रजाति एवं समुदाय के आधार पर उनके विशेषताओं की जानकारी देना, उनके रूढ़िगत प्रथाओं के बारे में जानना, रहन-सहन और जातिगत प्रथाओं एवं सामाजिक संरचनाओं की जानकारी देना।

प्रस्तावित संरचना :-

सामान्य जाति विज्ञान का परिचय

इकाई 1. जाति विज्ञान की अवधारणा, परिभाषा एवं स्वरूप, अध्ययन का उद्देश्य, मुख्य शाखाएँ, उपयोगिता एवं वैशिष्ट्य, संस्कृति की अवधारणा और परिवर्तन तथा अन्य विषयों से सम्बन्ध।

इकाई 2. जाति विशेष की उत्पत्ति, इतिहास, प्रवर्जन, आर्थिक-व्यवस्था, सामाजिक-व्यवस्था, धार्मिक-व्यवस्था, राजनीतिक-व्यवस्था, पर्व-त्योहार, वर्जनाएँ, औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के प्रभाव, जनजाति व गैरजनजातियों का विकास, समस्याएँ एवं संभावनाएँ।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड की जनजातियाँ - डॉ. बिमला चरण शर्मा
2. झारखण्ड की जनजातियाँ - डॉ. चतुर्भुज साहु
3. झारखंड : इतिहास एवं संस्कृति - डॉ. बी. वीरोत्तम
4. झारखण्ड के सदान - डॉ. वी. पी. केशरी
5. नृजाति विज्ञान - डॉ. निरंजन कुमार
6. झारखण्ड के सदानों का इतिहास - डॉ. बिरेन्द्र साहु

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 13

साहित्य सिद्धांत

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा :-

1. इससे विद्यार्थी भाषा की काव्य संरचना- रस, छंद, अलंकार के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. महाकाव्य, प्रबंध काव्य, खंडकाव्य आदि के विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
3. इसके माध्यम से नवीन रचनाओं का सृजन कर सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

साहित्य सिद्धांत का सामान्य परिचय

इकाई 1. काव्य की परिभाषा, हेतु, प्रयोजन, तत्व, गुण-दोष, रूप का अध्ययन (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण)।

इकाई 2. साहित्य के विविध विधाएँ - काव्य, प्रबंध काव्य, खंड काव्य, गीतिकाव्य, चंपू, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, जीवनी, डायरी, रिपोतार्ज, समीक्षा, आलोचना, समालोचना के स्वरूप और रचना विधान का अध्ययन।

इकाई 3. शब्द-शक्ति, रस निरूपण, छंद, अलंकार के परिभाषा एवं भेद-प्रभेद, साधारणीकरण : अर्थ एवं परिभाषा।

छंद- चौपाई, दोहा, मालिनी, मंदाक्रान्ता, सवैया।
अलंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, उपमा, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, संदेह, अतिश्योक्ति, विभावना आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. काव्य के तत्व - देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
3. काव्य के रूप - गुलाब राय
4. साहित्यालोचन - डॉ. श्यामसुन्दर दास
5. काव्य के तत्व और आयाम - डॉ. बी. पी. केशरी

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 14

झारखण्ड के स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी झारखण्ड के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीदों के जीवनी से परिचित हो सकेंगे।
2. भारत की आजादी के महानायकों में अपने शूरवीर पूर्वजों के योगदान का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थियों में पूर्वजों का गौरव, त्याग, तपस्या, देश-प्रेम आदि की भावना जागृत होंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

इकाई 1. सिद्धो-कान्हू, तिलका मांझी, ठाकुर विश्वनाथ साहदेव, पाण्डेय गणपत राय, शेख भिखारी, टिकैत उमराव, बिरसा मुण्डा, बुधु भगत, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलाम्बर-पिताम्बर, सिनगी दई आदि।

इकाई 2. अल्बर्ट एक्का, जयपाल सिंह मुण्डा, कार्तिक उराँव, बिनोद बिहारी महतो, निर्मल महतो आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. झारखण्ड कर सहीद (अनूदित) - डॉ. खालिक अहमद एवं राजेश कुजूर
2. झारखण्ड के शहीद - डॉ. भुवनेश्वर अनुज
3. झारखण्ड विभूति एवं शहीद - डॉ. गिरिधारी राम गौंझू

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 15

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी झारखण्डी समुदाय के संस्कृति, सांस्कृतिक केन्द्र, कानून व पारम्परिक शासन व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. झारखण्डी कानून व पारम्परिक शासन-व्यवस्था से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्डी कानून एवं पारम्परिक शासन व्यवस्था का सामान्य परिचय

इकाई 1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सी.एन.टी. एक्ट 1908 अधिनियम)
संतालपरगना काश्तकारी अधिनियम (एस.पी.टी. एक्ट अधिनियम)।

इकाई 2. पेसा (PESA) कानून 'द प्रोविजनल ऑफ पंचायत एक्टेंशन टू द शिड्यूल्ड एरिया-1996 एवं विल्किन्सन रूल'

इकाई 3. पारम्परिक शासन व्यवस्था - मुण्डा-मानकी व्यवस्था, पड़हा-पंचायत व्यवस्था, मांझी परगनैत व्यवस्था, डोकलो-सोहोर व्यवस्था, ग्रामसभा व्यवस्था, पाहन, महतो, दिवान, कोटवार आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम - डी. पी. नरूला
2. संताल परगना काश्तकारी अधिनियम - क्राउन पब्लिकेशन
3. झारखण्डी पंचायती राज अधिनियम 2001 - रश्मि कात्यायन
4. आदिवासियों की पारम्परिक शासन व्यवस्था एवं पंचायती राज : संदर्भ झारखण्ड - सं. सुधीर पाल
5. आदिवासी अधिकार - सं. रमेश जेराई
6. झारखण्ड लैण्ड मैनुअल - रश्मि कात्यायन
7. खड़िया जनजाति की पारम्परिक शासन-व्यवस्था - चन्द्र किशोर केरकेट्टा
8. हो जनजाति की पारम्परिक मानकी मुण्डा स्वशासन व्यवस्था - कमल लोचन कोड़ाह 'हो'
9. भूमि हस्तांतरण का जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर प्रभाव - डॉ. हीरा मणि कुमारी
10. झारखण्ड में आदिवासियों की पारम्परिक स्वशासन व्यवस्था संताल, पहाड़िया, हो, मुण्डा, उराँव, खड़िया - बीर सिंह सिंकु

DOUBLE MAJOR COURSE- DMJ 16

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगाः-

1. विद्यार्थी सभी प्रकार के संस्कारों को जान पायेंगे।
2. विद्यार्थी झारखण्ड के सभी संस्कृतियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी जनजातीय गाँव के रूढ़ीगत प्रथाओं के बारे में जान सकेंगे।
4. विद्यार्थी झारखण्ड के पर्व-त्योहारों से परिचित होंगे।

प्रस्तावित संरचना :-

झारखण्डी समुदाय के संस्कार एवं संस्कृति का सामान्य परिचय

इकाई 1. संस्कृति - संस्कृति की अवधारणा, अर्थ, परिभाषा, झारखण्डी संस्कृति की विशेषताएँ एवं परिवर्तन के कारण।

इकाई 2. पर्व-त्योहार - फगुवा, सरहुल, मंडा, आसारी, मनसा पूजा, करम, जितिया, दसंय, सोहराय, नवाखानी, बउंड़ी (टुसू), जतरा आदि।

इकाई 3. संस्कार - जन्म, नामकरण, मुण्डन, कर्णभेदी, विवाह, मृत्यु (हड़गड़ी) संस्कार आदि।

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. खड़िया, मुण्डा और उराँव संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. जोवाकिम डुंगडुंग
2. समाज और संस्कृति - डॉ. श्याम चरण दुबे
3. पर्व-त्योहार, मेले और पर्यटन - संजय कृष्ण
4. कोल्हान की हो जाति के पर्व-त्योहार एवं कृषि कार्य - डॉ. जानुम सिंह पिंगुआ
5. उराँव संस्कृति परिवर्त्तन एवं दिशाएँ - डॉ. शांति खलखो
6. हो जनजाति के पर्व-त्योहारों में देवी-देवताओं का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व-डॉ. दिनेश चन्द्र बोयपाई
7. उराँव-सरना : धर्म और संस्कृति - मिखाइल कुजूर
8. उराँव एवं सदान संस्कृति - डॉ. गिरिधारी राम गौंझू
9. घासी जाति संस्कृति और इतिहास - डॉ. रीझु नायक
10. नागपुरी के विवाह गीत - युगेश कुमार महतो